



आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक



वर्ष -12 अंक - 156

प्रयागराज, सोमवार 05 अक्टूबर, 2026

पृष्ठ- 8

मूल्य : 3.00 रुपये

फ्लाईदुबई विमान को बचाने वाले दोनों सीक्रेट पायलट कौन, यात्रियों को डर था- विमान हाईजैक कर ईरान न ले जाएं

दुबई। दुबई से इजराइल जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट में को-पायलट ने भारतीय को-पायलट पर हमला किया तो विमान तेजी से नीचे जाने लगा। घायल कैप्टन स्मित मच्छर ने किसी तरह कॉकपिट का दरवाजा खोला। इससे फ्लेन में मौजूद बाकी दो पायलटों को कॉकपिट में पहुंचने का मौका मिल गया और उन्होंने इसे संभाल लिया। एपी के मुताबिक, विमान का कंट्रोल से कौन ले जा रहा है। कुछ यात्रियों को डर था कि कहीं विमान को हाईजैक करके ईरान न ले जाया जाए। करीब 45 मिनट बाद पायलटों ने बताया कि विमान को सऊदी अरब के तबुक में उतारा जाएगा और सब ठीक है। इसके बाद यात्रियों को भरोसा हुआ। फ्लाईदुबई ने अभी दोनों पायलटों



के नाम नहीं बताए हैं। एयरलाइन ने सिर्फ इतना कहा है कि दोनों क्रू मेंबर थे और उस समय विमान

पायलट पर लगातार हमला कर रहा था। कैप्टन स्मित बुरी तरह घायल हो गए थे और कॉकपिट में खून फैल गया था। इसके बावजूद उन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। एक यात्री ने को-पायलट को पकड़कर बाहर खींच लिया, जबकि बाकी यात्री उसे काबू करने लगे। इसी दौरान एक अतिरिक्त पायलट तेजी से कॉकपिट में पहुंचा और कंट्रोल संभाल लिया। शिल्क्टर के मुताबिक, कुछ ही देर बाद दूसरा पायलट भी अंदर पहुंच गया। दोनों ने दरवाजा बंद कर लिया। विमान को वापस दुबई ले जाने के लिए मौजूद थे दोनों पायलट-शुरुआत में यात्रियों को पता नहीं था कि ये दोनों पायलट विमान में क्यों मौजूद थे। बाद में पता चला कि उन्हें तेल अवीव से दुबई लौटने वाली फ्लाइट उड़ानी थी। इसलिए वे पहले से विमान में सफर कर रहे थे। एविएशन में झूठी के लिए किसी दूसरी जगह जाने वाले पायलट की इस तरह की यात्रा

को 'डेडहेडिंग' कहा जाता है। यानी उस वक्त दोनों पायलट यात्री की तरह सफर कर रहे थे, लेकिन इमरजेंसी आते ही उन्होंने कॉकपिट में पहुंचकर विमान संभाल लिया। विमान संभालने में 10 मिनट से ज्यादा लगे-दोनों पायलटों के कॉकपिट में पहुंचने के बाद विमान को स्थिर करने में करीब 10 मिनट या उससे ज्यादा समय लगा। इससे पहले विमान इतनी तेजी से नीचे आया था कि उसके रडर का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया था। पायलटों ने मे-डे कॉल किया और सुरक्षित लैंडिंग के लिए जगह तलाशनी शुरू की। बाद में विमान को सऊदी अरब के तबुक में उतार दिया गया। यात्री ने कहा- दोनों ने हीरो की तरह काम किया-विमान के सुरक्षित उतरने के बाद शिल्क्टर ने दोनों पायलटों की तारीफ की। उन्होंने पूरे घटना को एक चमत्कार बताया। उनके मुताबिक, पहले कॉकपिट में पहुंचने वाले पायलट ने बिना समय गंवाए हालात समझे और कंट्रोल संभाल लिया।

रिपोर्ट- सऊदी अरब हूती विद्रोहियों पर करेगा अटैक, 1 लाख सैनिक उतारने की तैयारी, बाब अल-मंदेब से कब्जा छुड़ाएगा- यहां से दुनिया का 12फीसदी तेल गुजरता है

रियाद। सऊदी अरब यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ जंग शुरू करने की तैयारी कर रहा है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी 1 लाख से ज्यादा यमनी सैनिकों को उतार सकता है। इसका मकसद लाल सागर के दक्षिणी छोर पर स्थित बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को हूतियों के कब्जे से छुड़ाना और समुद्री व्यापार का रास्ता सुरक्षित करना है। हूतियों की इस इलाके में बढ़ती पकड़ से दुनिया के अहम समुद्री रास्तों पर खतरा बढ़ गया है। यह रास्ता एशिया और यूरोप के बीच व्यापार के लिए महत्वपूर्ण है। बाब-अल-मंदेब दुनिया के प्रमुख समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। दुनिया का 12फीसदी तेल इसी रास्ते से होकर गुजरता है। बाब-अल-मंदेब पर कब्जे के लिए जंग क्यों? पिछले महीने हूतियों ने यमन के तटीय इलाकों में आगे बढ़ते हुए इस रास्ते के आसपास अपनी पकड़ मजबूत की। उन्होंने सऊदी समर्थित यमन के सरकारी बलों और यूएई समर्थित नेशनल रजिस्टर्ड फोर्सज को पीछे धकेला। बाब-अल-मंदेब

स्ट्रेट लाल सागर को अदन की खाड़ी और हिंद महासागर से जोड़ता है। इसके रास्ते जहाज एशिया से लाल सागर और स्वेज नहर होते

हूतियों के खिलाफ दो तरह के सैन्य ऑपरेशन पर विचार- रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के सामने सैन्य कार्रवाई के दो विकल्प हैं।



हुए यूरोप तक पहुंचते हैं। इस वजह से यह वैश्विक व्यापार और तेल की सप्लाई के लिए अहम है। सऊदी अरब को आशंका है कि हूतियों का नियंत्रण बना रहा तो इस रास्ते से होने वाले व्यापार और तेल की दुलाई पर खतरा बढ़ सकता है।

पहले विकल्प में बाब-अल-मंदेब के आसपास सीमित हमला करके समुद्री रास्ते को सुरक्षित करने की कोशिश की जाएगी। दूसरे विकल्प में यमन के कई इलाकों में एक साथ ऑपरेशन चलाया जा सकता है। इसमें अल-बायदा, मारिब, ताइज

और अल-जौफ जैसे इलाके शामिल हो सकते हैं। इस ऑपरेशन का नेतृत्व यमन की सेनाएं करेंगी, जिन्हें सऊदी अरब का समर्थन मिलेगा। जरूरत पड़ने पर सऊदी अरब हवाई हमले भी कर सकता है। ऑपरेशन के दायरे के हिसाब से 1 लाख से ज्यादा यमनी सैनिक जुटाए जा सकते हैं। हालांकि, सैन्य कार्रवाई की समयसीमा को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है। अमेरिका सीधे युद्ध में उतरने को तैयार नहीं- रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका सऊदी अरब को खुफिया जानकारी, लक्ष्य तय करने में मदद और सैन्य सलाह दे रहा है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सऊदी नेतृत्व की सीधे सैन्य मदद और हवाई हमले करने की मांग पर सहमति नहीं दी है। फिलहाल अमेरिका के सीधे युद्ध में शामिल होने की उम्मीद नहीं है। सऊदी अरब को पाकिस्तान और तुर्किये से भी सैन्य मदद मिली है। पाकिस्तान ने पिछले महीने अदन में एयर फिक्स सिस्टम, हकी तोपें, ड्रोन और ड्रोन रोधी उकरण भेजे थे।

स्मित बोले- हमलावर ने नमाज के बहाने कुल्हाड़ी मारी, नेतन्याहू ने पायलट को फोन किया, पीएम के साथ मशाल जलाने का दिया न्योता

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्लाईदुबई एयरलाइन के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से करीब 6 मिनट फोन पर बात की। उन्होंने कहा- आप भारत और इजराइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं। आप पूरी दुनिया के हीरो हैं। नेतन्याहू ने स्मित को इजराइल आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा- मैं आपको और अपने दोस्त पीएम मोदी को अगले स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की मशाल जलाने का न्योता देना चाहता हूँ। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से पूछा कि फ्लाइट में आखिर हुआ क्या था। स्मित ने बताया कि हमले से पहले को-पायलट ने नमाज करने की बात कही। इसके कुछ मिनट बाद उसने अचानक उन पर हमला कर दिया। ओमानी को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से हमला किया-घटना 30 सितंबर की है। दुबई से इजराइल के तेल अवीव जा रही फ्लाइट में ओमानी को-पायलट ने कैप्टन स्मित पर

कुल्हाड़ी से हमला किया था। इसके बाद विमान करीब 2 मिनट में 17 हजार फीट नीचे आ गया। गंभीर रूप से घायल



होने के बावजूद कैप्टन स्मित ने हमलावर का मुकाबला किया और कॉकपिट का दरवाजा खोल दिया। इसके बाद फ्लाइट क्रू और यात्रियों ने कॉकपिट में पहुंचकर आरोपी को काबू किया और विमान पर दोबारा नियंत्रण हासिल किया। विमान की सऊदी अरब के तबुक में इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इसमें सवार सभी 174 लोग सुरक्षित बाहर निकल गए। कैप्टन बोले- को-पायलट ने पीछे से कई बार किएच्छपट्टिए नेतन्याहू से उनकी पूरी बातचीत-नेतन्याहू: स्मित,

क्या आप मुझे सुन रहे हैं? कैप्टन स्मित: हां सर, सुन रहा हूँ। आप कैसे हैं? नेतन्याहू: मैं ठीक हूँ। आप कैसा महसूस कर रहे हैं? कैप्टन स्मित: मैं ठीक होने की कोशिश कर रहा हूँ। नेतन्याहू: मुश्किल हालात में भी आपके साहस और सूझबूझ को देखकर मैं हैरान हूँ। मैं चाहता हूँ कि आप जल्दी ठीक हो जाएं। ये सब कैसे हुआ, मुझे बताइए। कैप्टन स्मित: वह एक नॉर्मल फ्लाइट थी। को-पायलट ने कहा कि वह नमाज करना चाहता है। बहुत से लोकल लोग ऐसा करते हैं। इसलिए मुझे यह अजीब नहीं लगा। वह मेरे पीछे बैठकर नमाज करने लगा। मैं सामने देख रहा था। करीब 4-5 मिनट बाद अचानक मेरे सिर के पीछे जोरदार वार हुआ। पहले मुझे लगा कि विमान को कोई गंभीर नुकसान हुआ है और कुछ गड़बड़ हो गई है। लेकिन इसके बाद एक के बाद एक वार होते रहे। तब मुझे समझ आया कि विमान को नहीं, बल्कि कॉकपिट में मेरे साथ मौजूद को-पायसट ने मुझ पर हमला किया है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को निकाला, आदेश मिलने के बाद भी न्यूयॉर्क में रुके रहे, यूएन महासभा में शामिल होने पहुंचे थे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को देश से बाहर भेज दिया है। दोनों संयुक्त राष्ट्र (यूएन) महासभा में शामिल होने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे थे, लेकिन महासभा खत्म होने के बाद भी वहीं रुके रहे। एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी विदेश विभाग ने सोमवार को न्यूयॉर्क स्थित ईरानी मिशन को निर्देश दिया था कि यूएन महासभा में शामिल होने आए उसके प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्य अमेरिका से रवाना हो जाएं। ज्यादातर प्रतिनिधि चले गए, लेकिन दो राजनयिक न्यूयॉर्क में ही रुके रहे। शुक्रवार को अमेरिकी अधिकारियों ने ईरानी मिशन को बताया कि उन्हें दोनों के अब भी न्यूयॉर्क में मौजूद होने की जानकारी है। इसके बाद ईरान को दोबारा संदेश भेजकर दोनों राजनयिकों को तुरंत अमेरिका छोड़ने के लिए कहा गया। इसके बाद एक



ईरानी राष्ट्रपति-ईरान और अमेरिका में जंग के बावजूद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान यूएन महासभा में शामिल होने न्यूयॉर्क पहुंचे थे। 23 सितंबर को यहां उन्होंने दुनिया के सामने ईरान का पक्ष रखा और अमेरिका-इजराइल पर कई गंभीर आरोप लगाए। पजशकियान अपने भाषण में युद्ध में मारे गए बच्चों की तस्वीरें भी लेकर पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि ईरान ने पिछले 200 साल में

किसी देश पर हमला नहीं किया है, बल्कि उसका देश खुद आतंकवाद और हमलों का शिकार रहा है। उन्होंने अमेरिका और इजराइल पर ईरान के खिलाफ कार्रवाई करने का आरोप लगाया। पजशकियान ने यह भी साफ किया कि ईरान परमाणु हथियार नहीं चाहता, लेकिन शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक के इस्तेमाल का अधिकार नहीं छोड़ेगा। इसके अलावा उन्होंने पश्चिमी देशों पर दोहरे रवैये और ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को लेकर भी सवाल उठाए। यूएन महासभा में विदेशी प्रतिनिधियों के लिए तय नियम- यूएन महासभा हर साल न्यूयॉर्क स्थित यूएन मुख्यालय में होती है। इसमें दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्ष, मंत्री, राजनयिक और अधिकारी शामिल होते हैं। ईरान का प्रतिनिधिमंडल भी इसी बैठक के लिए न्यूयॉर्क आया था। विदेशी प्रतिनिधियों को अमेरिका में रहने के लिए वीजा और राजनयिक नियमों का पालन करना होता है। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

सीमा पर गोलीबारी के बाद पाक में भारतीय राजनयिक तलब, कहा- मारे गए लोग पाक नागरिक थे, बीएसएफ ने घुसपैठ के शक में गोली मारी थी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान विदेश मंत्रालय ने शनिवार को भारतीय राजनयिक को तलब किया। पाकिस्तान ने पंजाब के तरनतारन में भारत-पाक सीमा पर दो लोगों की मौत पर विरोध जताया। पाकिस्तान का दावा है

मामले की तुरंत, पारदर्शी और विश्वसनीय जांच की मांग की है। साथ ही उसने निम्नकार लोगों के खिलाफ कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने और जांच के नतीजे पाकिस्तान सरकार को बताने को कहा है।



कि दोनों पाकिस्तानी नागरिक थे। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की गोलीबारी में मारे गए। इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी पाकिस्तान हाई कमिशन के चार्ज डी'अफेयर्स को तलब कर लगातार हो रही सीमा पार घुसपैठ पर आपत्ति जताई। भारतीय अधिकारियों के मुताबिक ये लोग भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहे थे।

चेतावनी देने के बाद बीएसएफ ने गोली चलाई। भारत ने पाकिस्तान के दावों को खारिज किया-भारत ने पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद और दुर्भावनापूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 3 लोग पाकिस्तान की तरफ से भारतीय सीमा में घुसे। बीएसएफ ने उन्हें कई बार वापस पाकिस्तान लौटने की चेतावनी दी, लेकिन वे पीछे हटने के बजाय सीमा पर लगी बाड़ की तरफ बढ़ते रहे।

इसके बाद बीएसएफ ने फायरिंग की, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। तरनतारन में 7 महीने में घुसपैठ की यह दूसरी घटना है। पाकिस्तान ने जांच की मांग की है-पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि मारे गए दोनों लोग निहत्थे नागरिक थे। पाकिस्तान के मुताबिक, वे सीमा के पास गए थे और अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गए। पाकिस्तान ने कहा है कि उसके नागरिकों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई सही नहीं है। पाकिस्तान ने

आगे बढ़ रहा था। अगस्त 2024: तरनतारन के दल गांव के पास एक पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया था। अगस्त 2023: तरनतारन के थेकालन गांव के पास एक घुसपैठिक की गोलीबारी में मौत हुई। मई 2021: खालड़ा गांव के पास एक पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया। बीएसएफ ने उसके पास से पाकिस्तानी सामान बरामद किया था। फरवरी 2021: फिरोजपुर सेक्टर में एक पाकिस्तानी घुसपैठिया मारा गया। उसके पास से 14.8 किलो हेरोइन और हथियारों से जुड़ा सामान मिला था।

अल-कायदा ने फ्लाईदुबई हमले के आरोपी की करि तारीफ, कहा- जंग अभी खत्म नहीं हुई, अमेरिकी-इजराइली विमानों पर 9/11 जैसे हमले को

अफगानिस्तान। आतंकी संगठन अल-कायदा ने फ्लाईदुबई की फ्लाइट में भारतीय पायलट स्मित मच्छर पर हमला करने वाले ओमानी को-पायलट हमाम



हुआ। इस संदेश के साथ एक तस्वीर भी लगाई गई थी, जिसमें न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की टिबन टावर्स से विमान टकराते हुए दिखाया गया था। दूसरी तस्वीर फ्लाईदुबई घटना से जुड़ी थी। न्यूयॉर्क पोस्ट वेब मुताबिक, मैगजीन ने यह भी लिखा है कि अमेरिका और इजराइल के दुश्मन पहले से ज्यादा हैं। इसमें अमेरिका

को 'बुराई का साम्राज्य' बताते हुए उसके खत्म होने की बात लिखी गई है। हमाम अल-हमामी विमान क़ैश करना चाहता था- 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड-1073 दुबई से तेल अवीव जा रही थी। इस दौरान ओमानी को-पायलट हमाम अल-हमामी ने भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर कुल्हाड़ी (क्रैश एक्स) से कॉकपिट में हमला किया था और विमान को अपने कब्जे में लेकर क़ैश करने की कोशिश की थी। भारतीय कैप्टन घायल होने के बावजूद कॉकपिट का दरवाजा खोलने में हमामी के बारे में पहले ही चिता जताई गई थी, तो वह फ्लाईदुबई में पायलट कैसे बना और उसे इजराइल जाना वाली फ्लाइट उड़ाने की जिम्मेदारी कैसे मिली।

अल-हमामी की तारीफ की। न्यूयॉर्क पोस्ट के मुताबिक, अल-कायदा से जुड़ी मैगजीन अल-बयान में लिखा गया है कि जंग अभी खत्म नहीं हुई है। अमेरिकी और इजराइली विमानों पर 9/11 जैसे हमले किए जाने चाहिए। मैगजीन में अमेरिका, इजराइल समेत उन देशों के विमानों को निशाना बनाने की अपील की गई है, जिन्हें इस्लाम के खिलाफ माना जाता है। ये मैगजीन अरबी भाषा में प्रकाशित होती है। इसमें लिखा गया है कि-इजराइल, अमेरिकी और इस्लाम के खिलाफ लड़ने वाले दूसरे देशों के लोगों को ले जाने वाले विमान अभी भी आसमान में उड़ रहे हैं और उन्हें निशाना बनाया जा सकता है, जैसा 11 सितंबर और 30 सितंबर को

भारतीय हाई कमिश्नर बोले- हसीना को पनाह देना मजबूरी थी, उन्हें बांग्लादेश भेजने की प्रक्रिया जारी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना को पनाह देना भारत की मजबूरी थी। अगर भारत उन्हें उतरने की अनुमति नहीं देता तो स्थिति खराब हो सकती थी। यह बात बांग्लादेश में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश त्रिवेदी ने बे ऑफ बंगाल कन्वेंशन कार्यक्रम में शनिवार को कही है। एक छात्र ने त्रिवेदी से पूछा कि हमारे लोगों की हत्या करने वाली शेख हसीना कब हमारे मुल्क वापस लायी जाएंगी? जवाब में त्रिवेदी ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया जारी है। हसीना को बांग्लादेश कब भेजा जाएगा, इसकी समयसीमा नहीं बताई जा सकती। सत्ता से हटने के बाद वे 5 अगस्त 2024 को भारत आई थीं। बीते दो साल से हसीना भारत में रह रही हैं। हसीना को भारतीय सेना नहीं लाई थी- हसीना के भारत आने देने के फैसले पर भी त्रिवेदी ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त 2024 को जब हसीना ने ढाका छोड़ा, तब भी वे बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं और वहां हालात तेजी से बदल रहे थे। त्रिवेदी ने कहा कि उस समय भारत के पास हसीना को दिल्ली में उतरने की अनुमति देने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। अगर भारत उन्हें उतरने की अनुमति नहीं देता तो स्थिति खराब हो सकती थी। त्रिवेदी ने यह भी स्पष्ट किया कि हसीना को भारत भारतीय वायुसेना या भारतीय सेना नहीं

लाई थी। कई बांग्लादेश एयरफोर्स के उम्रान से भारत लाया गया था। हसीना ने कहा था- दिसंबर में लौटूंगी-हसीना ने 5 अगस्त 2026 को कहा था कि



वह दिसंबर तक बांग्लादेश लौटेंगी। सीएनएन को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि वह कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार हैं, लेकिन उन्हें सुरक्षा, वकील तक पहुंच, अपना बचाव करने का अधिकार, स्वतंत्र न्यायपालिका और निष्पक्ष सुनवाई चाहिए। उन्होंने बीएनपी के साथ किसी भी बैकचैनल बातचीत से इनकार किया था और कहा था कि भारत अब भी उनका दोस्त है। रहमान की सरकार कई बार प्रत्यर्पण की मांग कर चुकी-12 फरवरी के चुनाव के बाद तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार सत्ता में आई। इन चुनावों में हसीना की पार्टी अवामी लीग को हिससा लेने की अनुमति नहीं थी। नई सरकार ने कई बार हसीना के प्रत्यर्पण की मांग दोहराई है। हसीना को वापस भेजने का मुद्दा भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में तनाव की बड़ी वजह

बना हुआ है। इसका असर तारिक रहमान के भारत दौरे पर भी पड़ा है। भारत ने पिछले महीने हुए ब्रिक्स समिट में तारिक रहमान को शामिल होने का न्योता दिया था। इसके अलावा फरवरी से ही भारत की ओर से उन्हें अलग से भारत आने का निमंत्रण दिया गया था। लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने एक भी बार भारत का दौरा नहीं किया। भारत-बांग्लादेश में 2024 के आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और मौतों से जुड़े गंभीर आरोप हैं। बांग्लादेश की मौजूदा सरकार उन्हें वापस लाकर कानूनी कार्रवाई करना चाहती है। बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल ने नवंबर 2025 में हसीना और उनके तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को मौत की सजा सुनाई थी। 15 सितंबर 2026 को हसीना सरकार के कुछ पूर्व सहयोगियों को भी सजा सुनाई गई। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की जांच के मुताबिक, जुलाई-अगस्त 2024 के आंदोलन के दौरान करीब 1,400 लोगों की मौत हुई थी।

प्रयागराज संगम में कवियों की काव्य गंगा में होगा श्रोताओं का अवगाहन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। होटल वीकेएन न्यू कालोनी दारागंज (निकट प्रयाग संगम रेलवे स्टेशन) में 11अक्टूबर को कवियों की महफ़िल सजेगी। श्रोता करेंगे काव्य गंगा में अवगाहन। दोपहर 12 बजे से राजेश सरोज के संयोजन एवं ओज के सशक्त हस्ताक्षर। साहित्य वाचस्पति सन्दीप वुड्मार बालाजी के संचालन में देश के ख्यातिलब्ध कवियों एवं कवयित्रियों का काव्य पाठ होगा। इसमें चरेन्द्र सिंह

पंकज जौनपुर, विख्यात राष्ट्रीय वीर रस कवि डॉ. रणजीत सिंह, प्रतापगढ़, आनन्द अभिनव गाजीपुर, साहित्य वाचस्पति वीरेन्द्र सिंह वुड्मार, प्रयागराज, अंजना वुड्मार कानपुर, डा. सीमा सिंह जौनपुर, अरुण यादव आदित्य जौनपुर, अजय विश्वकर्मा शान, चन्द्रकान्त धर्म, भदोही, आकाश श्रीवास्तव उज्ज्वल जौनपुर, सांवरिया भदोही का काव्य पाठ होगा। इस अवसर पर अविशा मौर्या की

पुस्तक अंतिम मुकदमा का विमोचन भी होगा।

अतिथियों में उपस्थित रहेगी हरि लाल मौर्या, होरी लाल मौर्या, गुलाब चन्द्र सरोज एसपीओ, विनोद कुमार सरोज एएओ, वृषपाशंकर सरोज पीसीएस, योगेन्द्र प्रताप श्रीवास्तव, चन्द्रशेखर निषाद (बबलू भाई), ठाकुर दिलीप सिंह की। मुख्य अतिथि होंगे- सुविह सिंघ डिप्टी लेबर कमिश्नर। आयोजक हैं- प्रदीप कुमार मौर्य शिक्षक एवं निशा मौर्या।

42वीं वाहिनी पीएस में एनपीएस एवं साइबर जागरूकता अभियान आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शनिवार को 42वीं

वित्तीय धोखाधड़ी जैसे साइबर अपराधों के संबंध में जानकारी

अपनाने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम के समापन पर



वाहिनी पीएस नैनी, प्रयागराज के सभागार में शनिवार को सेनानायक राजेश वुड्मार श्रीवास्तव (आईपीएस) के कुशल निर्देशन में एनपीएस, वित्तीय जागरूकता एवं साइबर अपराध से सुरक्षा विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवी मुंबई से आई आरआर कॉरपोरेशन की टीम ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान एनपीएस से होने वाले लाभों के साथ-साथ भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुलिस बल से संबंधित लाभार्थियों के लिए संचालित विभिन्न बीमा योजनाओं की जानकारी दी गई। पुलिस परिवार के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया। साइबर जागरूकता सत्र में हैकिंग, फिशिंग, पहचान की चोरी तथा

दी गई। साइबर अपराधियों द्वारा धन एवं व्यक्तिगत जानकारी की

आरआर कॉरपोरेशन की टीम को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर



चोरी तथा डिजिटल सिस्टम को नुकसान पहुंचाने के तरीकों से बचाव के उपाय भी बताए गए। मोबाइल फोन एवं डिजिटल उपकरणों को सुरक्षित रखने के लिए मजबूत पासवर्ड का प्रयोग, टू-स्टेप वेरिफिकेशन सहित अन्य आवश्यक सुरक्षा उपायों को

सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डसहायक सेनानायक देवनारायण यादव, शिविरपाल अरविंद कुमार सिंह, सुबेदार मेजर सुधांशु वुड्मार, सहायक शिविरपाल हरदास सहित 42वीं वाहिनी पीएस के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर पंचायत सलोन उप निर्वाचन के लिए मतदान एवं मतगणना कार्मिकों का प्रशिक्षण निर्धारित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को मुख्य विकास अधिकारी/उप जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) रायबरेली अंजुलता ने बताया है कि राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तर प्रदेश की अधिसूचना एवं जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) रायबरेली सरनीत कौर ब्रोका द्वारा निर्गत सार्वजनिक नोटिस के क्रम में नगरीय निकाय उप निर्वाचन माह सितम्बर/अक्टूबर, 2026 के अन्तर्गत नगर पंचायत सलोन के रिक्त अध्यक्ष पद पर सविरोध उप निर्वाचन हेतु 13 अक्टूबर 2026 को निर्धारित मतदान केन्द्र/स्थलों पर मतदान

तथा 15 अक्टूबर 2026 को तहसील मुख्यालय सलोन में चिन्हित स्थान पर मतगणना कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि मतदान एवं मतगणना की प्रक्रिया को सुकुशल, निष्पक्ष एवं सुचारु रूप से सम्पन्न कराने के लिए मतदान एवं मतगणना कार्मिकों का प्रशिक्षण निर्धारित किया गया है। पीठासीन अधिकारी एवं मतदान अधिकारी प्रथम का प्रथम प्रशिक्षण 05 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक महात्मा गांधी सभागार, विकास भवन रायबरेली में आयोजित होगा। इसी प्रकार समस्त मतदान कार्मिकों का द्वितीय प्रशिक्षण प्रथम पाली में 08 अक्टूबर 2026 को

प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली में 08 अक्टूबर 2026 को अपराह्न 02:00 बजे से 04:00 बजे तक महात्मा गांधी सभागार, विकास भवन रायबरेली में आयोजित किया जाएगा। मतगणना पार्टी के समस्त कार्मिकों का प्रशिक्षण 14 अक्टूबर 2026 को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक महात्मा गांधी सभागार, विकास भवन रायबरेली में होगा। मुख्य विकास अधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों एवं कार्मिकों को निर्देशित किया है कि निर्धारित तिथियों एवं समय पर प्रशिक्षण स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होकर प्रशिक्षण में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

बहलोलपुर में स्वर्गीय ब्रह्मपाल पहलवान की स्मृति में 29वें विशाल दंगल का भव्य आयोजन, सात लाख की कुश्ती बराबरी पर छूटी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शनिवार को स्वर्गीय श्री ब्रह्मपाल पहलवान जी की स्मृति में शुक्रवार, 2 अक्टूबर 2026 को गांव बहलोलपुर में 29वें विशाल दंगल का भव्य आयोजन किया गया। दंगल में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान सहित देशभर से आए नामचीन पहलवानों ने हिस्सा लिया। लगभग 125 कुश्तियों ने दर्शकों को रोमांच और उत्साह से भर दिया। दंगल में पहलवानों के बीच शानदार मुकाबले देखने को मिले और सभी विजेता एवं प्रतिभागी पहलवानों को जितने इनाम देकर सम्मानित किया गया। दंगल की सबसे बड़ी और आखिरी 7 लाख रुपये इनामी कुश्ती भारत केसरी पहलवान शेराना गुर्जर और भारत केसरी पहलवान दिनेश गुलिया के बीच हुई, जो बेहद रोमांचक मुकाबले के बाद बराबरी पर छूटी। वहीं 51 हजार रुपये इनामी कुश्ती में बहलोलपुर के अंकित पहलवान और डगरपुर के सिद्ध पहलवान के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा। तीसरे नंबर की 41 हजार रुपये इनामी कुश्ती में

बहलोलपुर के ऋतिक पहलवान और डगरपुर के सुमित पहलवान आमने-सामने रहे और यह मुकाबला भी बराबरी पर समाप्त हुआ। 21 हजार रुपये इनामी



कुश्ती में भोला खलीफा के पड़े आदेश पहलवान बहलोलपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गांव बमेटा स्थित जगदीश एकेडमी के हर्ष पहलवान को रोमांचक मुकाबले में मात देकर जीत हासिल की। इसी राशि की एक अन्य कुश्ती में जय पहलवान गढ़ी चौखंडी ने गांव शर्फाबाद के आकाश पहलवान को जबरदस्त मुकाबले में हराकर जीत दर्ज की। दंगल का संचालन भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय

उपाध्यक्ष श्री जयवीर प्रधान जी ने किया। दंगल के संयोजक चेत्यमैन सुखपाल पहलवान जी ने बताया कि सभी पहलवानों की कुश्तियां विधिवत बांधी गई थीं तथा पहलवानों के सम्मान और पुरस्कार का विशेष ध्यान रखा गया। आयोजक संतराम यादव पार्षद, ओमवीर यादव एवं टीटू पहलवान रहे। इस अवसर पर ऑल इंडिया रेलवे फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा जी, पूर्व मंत्री श्री डी.पी. यादव जी, गाजियाबाद सदर विधायक श्री संजीव शर्मा जी, नॉर्दर्न रेलवे के केंद्रीय अध्यक्ष एस.के. त्यागी जी, भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं किसान नेता श्री सुखवीर खलीफा जी, मैराथन दौड़ विजेता सत्या यादव, सतन पहलवान बम्हेटा, किसान नेता उदल आचार्य जी, सचिन एडवोकेट, जयपाल पहलवान, ललित यादव, पिट्टू यादव, कोच रवि पहलवान, बांझी पहलवान, मूले पहलवान, भोला खलीफा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग, सभी पहलवान एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

वर्षावास के तीसरे दिन सिरमौर बुद्ध विहार गंगौली सोइया में हुए विविध कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। सिरमौर बुद्ध

अवकाश प्राप्त प्रवक्ता उत्तराखंड आदि लोगों ने अपने विचार व्यक्त



विहार गंगौली सोइया में तीसरे दिन विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ बुद्ध पूजा वंदना त्रिशरण पंचशील ग्रहण से हुआ। भगवान तथागत बुद्ध के भिन्न भिन्न मुद्राओं से सम्बंधित जानकारी भंते शांति मित्र लाल गंज प्रतापगढ़ के द्वारा उपासकों के अनुरोध पर धम्म देशना के माध्यम से संवाद हुआ। उपासकों का भी धम्म के प्रति विचार लिया गया। जिसमें की वक्ता के रूप में बड़गांव इंटर कालेज के प्रवक्ता संतोष कुमार, राम देव अमीन, जिया लाल बौद्ध पलटू राम

किए। कार्यक्रम का संचालन राम

के सचिव रामफल फौजी, रामटहल कोषाध्यक्ष उर्फ भंते शीलरतन राम पियारे, नजरु बौद्ध, छोटे लाल बौद्ध, बाबू लाल, लाल जी राम मूर्ति, राजू बौद्ध, राज बहादुर, अंजू बौद्ध, सोनू बौद्ध, किस्मती, आदित्य, लक्ष्मी बौद्ध, राम किशुन, शीतला प्रसाद, सुभाष चन्द्र, शिक्षिका गायत्री आदि लोग मौजूद रहे। सिरमौर बुद्ध विहार सोइया गंगौली में पांच दिन वर्षा वास रखा गया है।

रविवार दिनांक 4/10/26को भोजन दान के उपरांत समापन होगा। आप सभी सम्मानित धम्म



किशोर ने किया। इस मौके पर धम्म देशना में उपस्थित प्रमुख लोगों में भंते प्रज्ञामित्र प्रबंधक, भंते धम्मदीप अध्यक्ष, बुद्ध विहार

अनुयायियों धम्म के प्रति आस्था रखने वालों से विनम्र निवेदन है कि बड़ी संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

डीएम-एसपी ने तहसील लालगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याएं, शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण से निस्तारण कराए अधिकारी- डीएम सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 102 शिकायतें आयी, 12 का तत्काल हुआ निस्तारण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका

समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी

स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने बताया कि



की अध्यक्षता में तहसील लालगंज में सम्पूर्ण समाधान

समस्याओं का समाधान करा सकते हैं। जिलाधिकारी ने कहा

तहसील लालगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग 37, पुलिस 23, विकास 11, समाज कल्याण 04 एवं अन्य 27 कुल 102 प्रकरण प्राप्त हुए, जिसमें से 12 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों के निस्तारण हेतु संबंधित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में कराना सुनिश्चित कराए। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने भी पुलिस से संबंधित मामलों को सूना और संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी लालगंज राजेश श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक, डीआरडीए मूनेश चन्द्र, क्षेत्राधिकारी लालगंज सुजीत कुमार राय सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने कलराज मिश्रा जी से फोन पर जाना कुशलक्षेम, जे.पी. नट्टा ने आवास पहुंचकर व्यक्त की शोक संवेदना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शनिवार को नोएडा भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं

संवेदनाएं प्रकट कीं। वहीं, आज केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एवं भाजपा के पूर्व

जे.पी. नट्टा जी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए परिवार को इस अगम्य दुःख



राजस्थान के पूर्व राज्यपाल श्रद्धेय पंडित कलराज मिश्रा जी की धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन के पश्चात आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर फोन पर कलराज मिश्रा जी से बातचीत कर उनका कुशलक्षेम जाना तथा शोक की इस घड़ी में अपनी

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी. नट्टा जी ने कलराज मिश्रा जी के नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर स्वर्गीय श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा श्री कलराज मिश्रा जी एवं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

योगेंद्र शर्मा, डिंपल आनंद, तिलोत्कच शर्मा, अनिल पाण्डेय, अरुण चौहान, भूपेश चौधरी, खुर्म रिजवी सहित देश के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व, विभिन्न क्षेत्रों वें गणमान्यजन लगातार कलराज मिश्रा जी एवं उनके परिवार से मिलकर अपनी संवेदनाएं प्रकट कर रहे हैं।

शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से किया जाये सुनिश्चित-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को शासन की

मन्शा के अनुरूप जिले की चारों तहसीलों में अक्टूबर महीने के

प्रथम शनिवार को “सम्पूर्ण समाधान दिवस” का आयोजन किया गया, सम्पूर्ण समाधान दिवस दुद्धी में जिलाधिकारी चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक वर्मा द्वारा शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को सुना गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में भूमि विवाद से सम्बन्धित प्राप्त हुए, मामलों को स्थलीय स्थिति की जाँच करते हुए टीम द्वारा प्रकरणों की स्थलीय जाँच कर निस्तारण कराने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारी को दिये। इस दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण वें बाद शिकायतकर्ताओं का फीडबैक लेते हुए शिकायतों का निस्तारण किया जाये, जिससे कि शिकायतकर्ता को किसी प्रकार की समस्या न हो और उनके प्रकरण का निस्तारण समय से किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकरण को गम्भीरता से लेकर जाँच कर निस्तारण आख्या प्रस्तुत की जाये। सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर जिलाधिकारी चर्चित गौड़, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा उप जिलाधिकारी दुद्धी अशोक कुमार ने 65 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 02 मामले निस्तारित किये गये। इस प्रकार तहसील दिवस कुल 06 मामले निस्तारित हुए, बाकी 38 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। 04-सम्पूर्ण समाधान दिवस घोरावल का आयोजन उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील दिवस में आये शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर मुख्य विभागाध्यक्ष अधिकारी उप जिलाधिकारी घोरावल, तहसीलदार घोरावल आदि ने 53 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 06 मामले निस्तारित किये गये और बाकी 47 प्रार्थना पत्रों की किया गया कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। अवशेष मामलों को

गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण वें लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी सदर श्री आशीष कुमार त्रिपाठी, तहसीलदार सदर श्री अमित कुमार आदि ने 29 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 07 मामले निस्तारित किये गये, इस प्रकार तहसील दिवस रावर्टसगंज में कुल 07 मामले निस्तारित हुए, बाकी 22 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। 03-सम्पूर्ण समाधान दिवस ओबरा का आयोजन उप जिलाधिकारी ओबरा श्री रवि कुमार पासवान की अध्यक्षता में, तहसीलदार ने शिकायतकर्ता के माध्यम से प्राप्त प्रार्थना-पत्रों का निस्तारण किया गया, इस दौरान उप जिलाधिकारी ने प्रकरणों का निस्तारण कराते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया, इस दौरान उप जिलाधिकारी ने प्रकरणों का निस्तारण कराते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया, इस दौरान उप जिलाधिकारी ने प्रकरणों का निस्तारण कराते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके पर मुख्य विभागाध्यक्ष अधिकारी उप जिलाधिकारी घोरावल, तहसीलदार घोरावल आदि ने 53 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 06 मामले निस्तारित किये गये और बाकी 47 प्रार्थना पत्रों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश सम्बन्धित को दिये गये।

उर्वरक सेतु ऐप से किसानों को मिलेगी खाद वितरण में सुविधा, पारदर्शिता एवं समयबद्ध उपलब्धता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता विवेक कुमार सिंह के द्वारा बताया गया कि किसानों को उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, खाद की कालाबाजारी एवं लंबी कतारों से निजात दिलाने तथा उर्वरक वितरण व्यवस्था को अधिक

लॉगिन हेतु ओटी0पी0 भेजी जायेगी। ओटी0पी0 सत्यापित होते ही कृषक को उर्वरक बुकिंग हेतु तिथि, उर्वरक का प्रकार एवं बोरियों की सं0 आदि का चयन करना होगा। सचिव द्वारा कृषक के बुकिंग अनुरोध का अनुमोदन करने पर बुकिंग का क्यू0आर0 कोड जेनरेट हो जायेगा। इस प्रकार कृषक सचिव को अपना

उर्वरक सेतु मोबाइल ऐप की शुरुआत



पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा उर्वरक सेतु ऐप की शुरुआत की गयी है। प्रथम चरण में प्रदेश के चयनित 10 जनपदों यथा गोरखपुर, महाराजगंज, लखनऊ, शाहजहाँपुर, वाराणसी, रायबरेली, पीलीभीत, झाँसी, मेरठ एवं बिजनौर में कृषकों को उर्वरक उपलब्ध कराने हेतु पालट प्रोजेक्ट के रूप संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया है कि उर्वरक सेतु ऐप, गूगल प्ले स्टोर से आसानी से डाउनलोड किया जा सकता है। इस ऐप के

क्यू0आर0 कोड प्रस्तुत कर नियत तिथि पर यह प्रणाली मैन्युअल प्रक्रिया को समाप्त कर डिजिटल अनुमोदन, ओटी0पी0 लॉगिन, क्यू0आर0 सत्यापन एवं उत्तर प्रदेश सहकारी डेटाबेस के माध्यम से कार्य करेगी। उर्वरक सेतु के माध्यम से उर्वरक वितरण की प्रत्येक महत्वपूर्ण गतिविधि डिजिटल रूप से दर्ज होने से पारदर्शिता बढ़ेगी, कालाबाजारी पर प्रभावी नियन्त्रण होगा तथा प्रशासनिक निगरानी सुदृढ़ होगी।

साथ ही किसानों के समय की बचत होगी एवं निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत उर्वरक उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता ने बताया है कि उर्वरक सेतु ऐप वें अधिकाधिक उपयोग हेतु कृषकों की सूचना किसान को ऐप के माध्यम से प्राप्त होगी। सचिव द्वारा अनुमोदनोपरांत कृषक को

कृषक को उर्वरक बुकिंग हेतु तिथि, उर्वरक का प्रकार एवं बोरियों की सं0 आदि का चयन करना होगा। सचिव द्वारा कृषक के बुकिंग अनुरोध का अनुमोदन करने पर बुकिंग का क्यू0आर0 कोड जेनरेट हो जायेगा। इस प्रकार कृषक सचिव को अपना

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा तहसील दुद्धी में सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर की गई जनसुनवाई

फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनकर निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश,जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारियों द्वारा अपने-अपने सर्किल अन्तर्गत सम्बन्धित तहसीलों में जनसमस्याओं की सुनवाई की गई (आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। दिनांक 03.10.2026



को तहसील दुद्धी में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी सोनभद्र चर्चित

प्रकरणों का प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, जिससे फरियादियों को अनावश्यक रूप से विभिन्न कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़े तथा उनकी समस्याओं का त्वरित एवं न्यायोचित समाधान हो सके।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान प्राप्त शिकायतों को सम्बन्धित विभागों को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित करते हुए निर्देशित किया गया कि प्रत्येक प्रकरण में नियमानुसार

कार्यवाही करते हुए निस्तारण की गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए।



गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से फरियादियों की समस्याओं को सुना गया। अधिकारियों द्वारा प्रत्येक शिकायत को गंभीरतापूर्वक सुनें हुए सम्बन्धित अधिकारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। भूमि विवाद एवं अन्य राजस्व संबंधी मामलों के संबंध में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर जाकर जांच करते हुए

इसी क्रम में जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारीगण द्वारा अपने-अपने सर्किल अन्तर्गत सम्बन्धित तहसीलों में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित होकर फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों के त्वरित एवं

नियमानुसार निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान सम्बन्धित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई, 30 लीटर कच्ची शराब व 400 किलो लहन बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार

कार्रवाई की गई।अभियान के दौरान टीम द्वारा सदर तहसील



कोआबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रवर्तन अभियान के तहत उप आबकारी आयुक्त, लखनऊ प्रभार के मार्गदर्शन एवं जिला आबकारी अधिकारी, रायबरेली के नेतृत्व में आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 प्रशांत कुमार मय हमराह द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की

के थाना गुरुबख्शगंज अंतर्गत गोझारी एवं घाटमपुर में कच्ची शराब बनाने के अड्डों तथा संदिग्ध घरों पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान कुल 30 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा 400 किलोग्राम लहन बरामद कर मौके पर नष्ट कराया गया।प्रकरण में आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत 02 अभियोग पंजीकृत किए गए।

शहडोल ब्यौहारी सेवा सेतु अभियान के तहत वनांचल के सरवाही कला में जन कल्याण शिविर सम्पन्न

सीईओ जिला पंचायत एवं पुलिस अधीक्षक ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं,102 में से 52 आवेदनों का मौके पर हुआ निराकरण,स्वास्थ्य शिविर में दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनाने के साथ ग्रामीणों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। शनिवार को सेवा सेतु अभियान के तहत ब्यौहारी जनपद पंचायत के वनांचल क्षेत्र में बसे ग्राम सरवाही कला में जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सीईओ जिला पंचायत एवं पुलिस अधीक्षक ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का प्राथमिकता वें साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। शिविर में राजस्व, ग्रामीण विकास, विद्युत, श्रम, सामाजिक



न्याय एवं जनजातीय कार्य विभाग से संबंधित कुल 102 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 52 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया।सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि सेवा सेतु अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं एवं सेवाओं को ग्रामीणों तक पहुंचाकर उनकी समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे प्रकरण, जिनका निराकरण मौके पर संभव नहीं है, उनका भी निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा संबंधित

हितग्राहियों को इसकी जानकारी दी जाए। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की जनकल्याणकारी



योजनाओं का लाभ लेने और अपनी समस्याएं शिविर में अधिकारियों के समक्ष रखने का आह्वान किया। पुलिस अधीक्षक ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी

समस्याओं एवं क्षेत्र की आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि कानून-व्यवस्था से संबंधित किसी भी समस्या की स्थिति में पुलिस को तत्काल सूचना दें तथा जागरूक रहकर अपने अधिकारों का उपयोग करें। स्वास्थ्य परीक्षण के साथ दिव्यांग प्रमाण-पत्र की प्रक्रिया-शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.के. शुक्ला एवं बीएमओ निशांत सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में ग्रामीणों का स्वास्थ्य

परीक्षण कर आवश्यक उपचार एवं परामर्श दिया गया। साथ ही दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण-

थाना रॉबर्ट्सगंज थाने को मिली बड़ी सफलता-चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण, चोरी का सामान खरीदने वाले कबाड़ी सहित 03 अभियुक्त गिरफ्तार चोरी के लोहे के सामान सहित अन्य सामान व घटना में प्रयुक्त ऑटो बरामद, 02 अभियोगों में धारा 317(2) एवं 317(4) बीएनएस की बढोत्तरी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार कोपुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देश में चोरी की घटना



का सफल अनावरण करने व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सुश्री मेविस टॉक एवं क्षेत्राधिकारी नागर श्री रणधीर मिश्रा के कुशल पर्यवेक्षण में अपराधा निरीक्षक थाना रॉबर्ट्सगंज दिवु प्रसाद यादव के नेतृत्व में थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना रॉबर्ट्सगंज पुलिस द्वारा चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 815/2026 धारा 305(ए), 331(4) बी.एन.एस. एवं मु0अ0सं0 814/2026 धारा 303(2), 317(2) बी.एन.एस. से संबंधित चोरी करने वाले 02 अभियुक्तों एवं चोरी का सामान खरीदने वाले 01 कबाड़ी सहित कुल 03 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 02.10.2026 को वादी बसन्तु पुत्र बन्धु निवासी ग्राम गोरारी, थाना रॉबर्ट्सगंज द्वारा अभियुक्त विशाल उर्फ मोनू को ऑटो संख्या यूपी64-सीटी-1815 के साथ थाना पर लाकर सूचना दी गई कि अभियुक्त उसके घर में घुसकर लोहे का सामान चोरी कर ऑटो में लादकर ले जा रहा था, जिसे जाग जाने पर पकड़ लिया गया। विवेचना के दौरान ग्राम गोरारी में स्थित निर्माणाधीन मकान से लोहे की रिंग, सरिया, सीमेंट एवं रौशनदान चोरी किए जाने की घटना में भी अभियुक्तों की संलिप्तता प्रकाश में आई। कृत कार्यवाही-थाना रॉबर्ट्सगंज

कामेश्वर उर्फ बबलू एवं अमित कुमार बिन्दू को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त विशाल उर्फ मोनू की निशानदेही पर चोरी का सामान खरीदने वाले कबाड़ी अमित कुमार बिन्दू की दुकान से लगभग 25 किग्रा लोहे का सामान बरामद किया गया। बरामदगी एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मु0अ0सं0 814/2026 एवं 815/2026 में धारा 317(2) एवं 317(4) बीएनएस की बढोत्तरी की गई। पूछताछ का विवरण-पूछताछ में अभियुक्त विशाल उर्फ मोनू एवं कामेश्वर उर्फ बबलू द्वारा ग्राम गोरारी स्थित निर्माणाधीन मकान से लोहे की रिंग, सरिया, सीमेंट एवं रौशनदान चोरी किए जाने तथा चोरी के सामान को कबाड़ी अमित कुमार बिन्दू के पास रखने/बेचने की बात प्रकाश में आई। कबाड़ी अमित कुमार बिन्दू से पूछताछ में भी चोरी का सामान खरीदे जाने के संबंध में तथ्य प्रकाश में आए। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण-1. विशाल उर्फ मोनू पुत्र रमाकान्त उर्फ मन्मूज, उम्र करीब 28 वर्ष, निवासी ग्राम गोरडीहा, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र।2. कामेश्वर उर्फ बबलू पुत्र शारदा प्रसाद शर्मा, उम्र करीब 45 वर्ष, निवासी ग्राम गोरडीहा, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र।3. अमित कुमार बिन्दू पुत्र श्याम ब्रह्म, उम्र करीब 27 वर्ष, निवासी इन्द्रपुरी कालोनी, मिशन हॉस्पिटल के पीछे, थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र। बरामदगी का विवरण-लोहे की रिंग लगभग 08 किग्रा। 02 अदद

परीक्षण कर आवश्यक उपचार एवं परामर्श दिया गया। साथ ही दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण-



पत्र बनाने की प्रक्रिया भी शिविर में की गई, जिससे ग्रामीणों को प्रमाण-पत्र के लिए दूर जाने की आवश्यकता न पड़े। योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को जोड़ा गया-शिविर में बैगा अनुदान आहार एवं विभिन्न पेंशन योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया भी की। शिविर में ग्रामीणों ने राजस्व, बिजली, रोजगार, पेंशन, आवास सहित विभिन्न विषयों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए।अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनें हुए संबंधित विभागों को प्रकरणों का परीक्षण कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर एसडीएम सुश्री काजोल सिंह, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे एवं गैलेक्सी नागपुर, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आकांक्षा सिंह, जिला पंचायत सदस्य श्री दुर्गाेश तिवारी, श्री पुष्पेन्द्र सिंह, सरपंच श्रीमती संतोषी सिंह, सीईओ जनपद पंचायत कल्याण यादव सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी तथा आसपास की ग्राम पंचायतों से बड़ी संख्या में ग्रामीजन उपस्थित रहे।

सेक्टर 105 आरडब्ल्यूए ने विद्युत निगम अधिकारियों की त्वरित कार्यशैली और जनसेवा के प्रति निष्ठा की सराहना की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शनिवार को सेक्टर 105

कार्यकुशलता और जमीनी स्तर पर दिखाई गई तत्परता की



की रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन ने क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कुष्णात्रेय ने एक विशेष प्रशंसा पत्र जारी करते हुए विद्युत निगम की प्रशासनिक

मुक्तकंठ से सराहना की है। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य वृष्णात्रेय ने बताया कि अधिशासी अभियंता (एक्सईएन) वैभव मिश्रा के कुशल नेतृत्व और दूरदर्शी मार्गदर्शन में क्षेत्र में रखरखाव एवं विकास से जुड़े कार्य अत्यंत सुचारु रूप से संपन्न हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक प्रतिबद्धता का ही परिणाम है कि जनहित से जुड़ी

कोई भी समस्या जैसे ही अधिकारियों के सज्ञान में लाई जाती है, उसका निस्तारण बिना किसी विलंब के प्राथमिकता के आधार पर कर दिया जाता है।?विद्युत निगम की टीम के समर्पण को रेखांकित करते हुए उन्होंने उपखंड अधिकारी (एसडीओ) श्री होशियार सिंह एवं अवर अभियंता (जेई) अहमद मुस्तफा की कार्यशैली को वंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि दोनों अधिकारियों का संवेदनशील रवैया और जनसेवा के प्रति निष्ठा प्रशासनिक सजगता की एक उत्कृष्ट मिसाल पेश करती है। इसके साथ ही, आरडब्ल्यूए ने धरातल पर दिन-रात मुस्तैद रहने वाले स्टॉफ लाइनमैन श्री संजय एवं उनकी पूरी तकनीकी टीम के योगदान को भी विशेष रूप से सराहा। विषम परिस्थितियों में भी ग्राउंड स्टाफ जिस निष्ठा और साहस के साथ जनता की सेवा में डटा रहता है, वह अत्यंत प्रेरणादायी है। सेक्टर 105 आरडब्ल्यूए ने उम्मीद जताई है कि भविष्य में भी विद्युत निगम का यही उत्कृष्ट सहयोग और समन्वय निरंतर बना रहेगा।

नोएडा विधानसभा-61 की मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर सपा ने उठाई आवाज

मुख्य चुनाव आयुक्त से तत्काल जांच और कार्रवाई की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शनिवार को समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन द्वारा सेक्टर-22 स्थित सैंफरोन ब्रैक्विट हॉल में एक महत्वपूर्ण

कीड़ों तथा प्रदीप कुमार शर्मा कौशल के नाम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों की जांच निर्वाचन विभाग द्वारा दस्तावेजों के आधार पर की

निर्वाचन अधिकारी, गौतमबुद्ध नगर से मांग की कि समाजवादी पार्टी द्वारा उपलब्ध कराए गए दस्तावेजों और नामों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा



प्रेस वार्ता आयोजित कर नोएडा विधानसभा-61 की मतदाता सूची में कथित डुप्लीकेट एवं संदिग्ध मतदाता प्रविष्टियों और मतदाताओं के नाम काटे जाने के मामले को सार्वजनिक किया गया। पार्टी ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच कराने तथा मुख्य चुनाव आयुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, गौतमबुद्ध नगर से तत्काल जावाब और आवश्यक कार्रवाई की मांग की। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने की तथा संचालन महानगर उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने किया। महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन द्वारा निर्वाचन अधिकारियों को अपने बीएलए (दृढ़ धनर्दीहू) की सूची उपलब्ध कराई गई है। संगठन का आरोप है कि कई ऐसे बीएलए एवं स्थानीय मतदाताओं के नाम भी मतदाता सूची से हट दिए गये हैं, जो लंबे समय से संबंधित क्षेत्र में रह रहे हैं और मतदान करते रहे हैं। उन्होंने उदाहरण के तौर पर सेक्टर-63 निवासी कुलभूषण शर्मा, सोरक्षा निवासी सुभाष वर्मा, सर्फाबाद निवासी सतपाल यादव तथा मोहम्मद इमरान सहित कई लोगों के नामों का उल्लेख किया और कहा कि ऐसे प्रत्येक मामले की व्यक्तिगत रूप से जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम बिना उचित प्रक्रिया के मतदाता सूची से न हटाया जाए। मुख्य चुनाव आयुक्त से तत्काल हस्तक्षेप की मांग-डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता और प्रत्येक पात्र नागरिक के मतदान के अधिकार की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त तथा जिला

जानी चाहिए। डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि समाजवादी पार्टी का उद्देश्य किसी भी वास्तविक मतदाता प्रविष्टियों और मतदाताओं के नाम काटे जाने के मामले को सार्वजनिक किया गया। पार्टी ने इन मामलों की निष्पक्ष जांच कराने तथा मुख्य चुनाव आयुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, गौतमबुद्ध नगर से तत्काल जावाब और आवश्यक कार्रवाई की मांग की। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने की तथा संचालन महानगर उपाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन द्वारा निर्वाचन अधिकारियों को अपने बीएलए (दृढ़ धनर्दीहू) की सूची उपलब्ध कराई गई है। संगठन का आरोप है कि कई ऐसे बीएलए एवं स्थानीय मतदाताओं के नाम भी मतदाता सूची से हट दिए गये हैं, जो लंबे समय से संबंधित क्षेत्र में रह रहे हैं और मतदान करते रहे हैं। उन्होंने उदाहरण के तौर पर सेक्टर-63 निवासी कुलभूषण शर्मा, सोरक्षा निवासी सुभाष वर्मा, सर्फाबाद निवासी सतपाल यादव तथा मोहम्मद इमरान सहित कई लोगों के नामों का उल्लेख किया और कहा कि ऐसे प्रत्येक मामले की व्यक्तिगत रूप से जांच होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि किसी भी पात्र नागरिक का नाम बिना उचित प्रक्रिया के मतदाता सूची से न हटाया जाए। मुख्य चुनाव आयुक्त से तत्काल हस्तक्षेप की मांग-डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सूची की शुद्धता और प्रत्येक पात्र नागरिक के मतदान के अधिकार की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त तथा जिला

जांच की कार्रवाई और परिणाम के संबंध में संतुष्ट को स्पष्ट जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि यदि किसी मतदाता की प्रविष्टि में गलती, दोहराव या अन्य विषंगति है तो निर्धारित निर्वाचन प्रक्रिया के तहत उसका सत्यापन किया जाए और पात्र मतदाताओं के नाम सुरक्षित रखे जाएं। निर्वाचन आयोग की आधिकारिक व्यवस्था में भी मतदाता अपने नाम और मतदान संबंधी विवरण की जांच कर सकते हैं तथा मतदाता सूची में सुधार या नाम हटाने से संबंधित निर्धारित प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं। शहर की मूलभूत समस्याओं की उठाई-प्रेस वार्ता के दौरान महानगर महासचिव विकास यादव ने नोएडा शहर से जुड़े विभिन्न जनहित के मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने शहर की सड़क, सीवर व्यवस्था, सुरक्षा तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए इनके शीघ्र समाधान की मांग की। सपा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने कहा कि संगठन लगातार जनता से जुड़े मुद्दों को लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाता रहेगा। प्रेस वार्ता में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे-डॉ. आश्रय गुप्ता, विकास यादव, बबलू चौहान, गौरव कुमार यादव, मोहम्मद नौशाद, मनोज गोयल, ओमपाल राणा, बिलाल बरनी, रामवीर यादव, बाबूलाल बंसल, लोकेश यादव, कुलभूषण शर्मा, सतपाल यादव, सुभाष वर्मा, रंजन कुमार, सोनू, इमरान, गुहू चौधरी, दीपक दे शहाल, अनौश सहित समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेम पोर्टल के प्रशिक्षण में भाग लेंगे प्रयागराज के क्रय अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। जेम पोर्टल के नए संस्करण जेम पोर्टल 2.0 के संबंध में क्रय अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी, प्रयागराज कार्यालय की ओर से जारी पत्र के अनुसार 6 अक्टूबर 2026 को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक

कलेक्ट्रेट परिसर स्थित संगम सभागार, प्रयागराज में प्रशिक्षण आयोजित होगा। पत्र में बताया गया है कि जेम पोर्टल को जेम पोर्टल 2.0 में अपग्रेड किया जा रहा है, जिससे पोर्टल की कार्यप्रणाली में बदलाव होगा। इसी वें महेनगर क्रय अधिकारियों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाना

आवश्यक है। प्रशिक्षण शासन स्तर से लखनऊ से आने वाले आगंतुकों द्वारा दिया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी इहर्षिका सिंह ने जनपद के सभी आहरण-वितरण अधिकारियों को निर्धारित तिथि एवं समय पर प्रशिक्षण में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करने के निर्देश दिए हैं।

सोनभद्र में 01 अक्टूबर से संचारी अभियान जारी, साफ-सफाई के साथ रोगों की रोकथाम एवं जनजागरूकता पर जोर

झाड़ियों की कटाई, हँडपंप व नालियों की सफाई के साथ संचारी रोगों की रोकथाम पर जोर, उच्च जोखिम वाले ग्रामों में माइक्रोप्लान के अनुसार विशेष अभियान, रोगों से बचाव के लिए किया जा रहा जागरूक

के 621 के लक्ष्य के सापेक्ष दैनिक प्रगति 24 एवं क्रमिक प्रगति 65

के सापेक्ष दैनिक प्रगति 21 एवं क्रमिक प्रगति 43, ग्रामीण



तथा ग्राम सभा बैठकों के 621 के लक्ष्य के सापेक्ष दैनिक प्रगति

नालियों की सफाई के 1889 लक्ष्य के सापेक्ष दैनिक प्रगति 88 एवं क्रमिक प्रगति 261 तथा शहरी नालियों की सफाई के 1440 लक्ष्य के सापेक्ष दैनिक प्रगति 39 एवं क्रमिक प्रगति 107 रही।

इसके अतिरिक्त नगरीय वाडों में फॉगिंग के 144 लक्ष्य के सापेक्ष दैनिक प्रगति 4 एवं क्रमिक प्रगति 8, सूकर पालकों का संवेदीकरण के 255 लक्ष्य के सापेक्ष दैनिक प्रगति 8 एवं क्रमिक प्रगति 18 तथा कुंठक नियंत्रण हेतु गोष्ठी के 621 लक्ष्य के सापेक्ष दैनिक प्रगति 21 एवं क्रमिक प्रगति 63 दर्ज की गई हैं।

अभियान के माध्यम से जनपद के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता संबंधी गतिविधियों को गति देने के साथ-साथ संचारी एवं संक्रामक रोगों से बचाव के लिए आमजन को जागरूक किया जा रहा है। उच्च जोखिम वाले ग्रामों में माइक्रोप्लान के अनुसार विशेष गतिविधियों के संचालन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।



जोखिम वाले ग्रामों में भी माइक्रोप्लान के अनुसार विशेष साफ-सफाई कार्यक्रम चलाया जा रहा है तथा लोगों को संक्रामक रोगों से बचाव हेतु जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत दिनांक 03 अक्टूबर 2026 तक विद्यालयों में संचारी जागरूकता रैली के 2075 के लक्ष्य के सापेक्ष दैनिक प्रगति 55 एवं क्रमिक प्रगति 217, ग्राम स्तर पर प्रभात फेरी

23 एवं क्रमिक प्रगति 68 रही। इसी प्रकार झाड़ियों की कटाई के 4204 लक्ष्य के सापेक्ष दैनिक प्रगति 136 एवं क्रमिक प्रगति 526, हँडपंप मरम्मत के 2890 लक्ष्य के सापेक्ष दैनिक प्रगति 88 एवं क्रमिक प्रगति 346 तथा हँडपंप के चबूतरे की मरम्मत के 1184 लक्ष्य के सापेक्ष दैनिक प्रगति 35 एवं क्रमिक प्रगति 106 दर्ज की गई हैं। अभियान के दौरान शौचालय निर्माण के 615 लक्ष्य

बभनी सब-स्टेशन पर कर्मचारियों को सेफ्टी उपकरण का दिया प्रशिक्षण, दुर्घटनाएं रोकने और जीरो-हार्म संस्कृति पर जोर

सोनभद्र। सोनभद्र के बभनी सब स्टेशन में बिजली विभाग के संविदाकर्मीयों और तकनीकी कर्मचारियों के लिए सुरक्षा उपकरणों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका मकसद विद्युत दुर्घटनाओं को रोकना और कार्यस्थल पर 'जीरो-हार्म' संस्कृति को बढ़ावा देना था। अवर अभियंता महेश कुमार ने कर्मचारियों को उच्च

वोल्टेज वाले वातावरण में मौजूद



जोखिमों की जानकारी दी। उन्हें सुरक्षा उपकरणों (पीपीई किट)

और सुरक्षा प्रणालियों के सही इस्तेमाल के बारे में बताया गया। इसमें इंसुलेटेड हेलमेट, इलेक्ट्रिकल सेफ्टी ग्लव्स, शॉक-प्रूफ सेफ्टी शूज और आर्क-फ्लैश सुरक्षात्मक सूट शामिल थे। महेश कुमार ने जोर देकर कहा कि विभागीय नियमों के अनुसार सेफ्टी उपकरणों का प्रयोग बहुत जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि इनका इस्तेमाल

निर्माणाधीन राजकीय इंटर कॉलेज झारोकला के भवन पर डीएम की सख्ती, 15 दिसंबर तक कार्य पूरा करने के निर्देश

धीमी प्रगति पर डीएम का कड़ा रुख, श्रमिक-मिस्त्री बढ़ाकर निर्माण में तेजी लाने के आदेश, गुणवत्ता से समझौता नहीं, निर्माण सामग्री की थर्ड पार्टी जांच के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने निर्माणाधीन राजकीय इंटर कॉलेज झारोकला, दुर्द्धी का स्थलीय निरीक्षण कर विद्यालय भवन के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख

कराना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही निर्माण कार्य की

जिलाधिकारी ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय झारोकला में



नियमित निगरानी करते हुए प्रगति की लगातार समीक्षा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य में प्रयोग की जा रही निर्माण सामग्री एवं अन्य

अध्ययनरत छात्राओं से सीधे संवाद किया। उन्होंने छात्राओं से विद्यालय में दी जा रही शिक्षा व्यवस्था, शिक्षण कार्य एवं पढ़ाई के संबंध में जानकारी प्राप्त की। छात्राओं से संवाद के दौरान जिलाधिकारी ने शैक्षिक व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित अध्यापकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान देने को कहा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माणाधीन विद्यालय भवन के कार्य की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने दोहराया कि निर्माण कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनावश्यक देरी अथवा गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी अशोक कुमार दुर्द्धी, अधिशासी अभियंता निर्माण खंड एस.के. सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राजेश कुमार सहित संबंधित अधिकारियों उपस्थित रहे।



अपनाते हुए संबंधित निर्माण एजेंसी के अधिकारी को निर्माण कार्य में तत्काल तेजी लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में लेबर एवं मिस्त्रियों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि कार्य की गति में अपेक्षित तेजी लाई जा सके। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि 15 दिसंबर तक हर हाल में विद्यालय भवन के निर्माण कार्य को पूर्ण

सामग्री की गुणवत्ता की थर्ड पार्टी से जांच कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। निर्माण कार्य की गुणवत्ता में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित की जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान

शनिवार को रहा छठवा दिन एसडीएम हटाओ के नारे से धरना जारी-तहसीलदार सदर से वार्ता बेनतीजा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) उपजिलाधिकारी महोदय को सोनभद्र। धरने के छठवें दिन चले जल्दी नहीं हटाया गया तो



रहे लेखपालों का सम्पूर्ण कार्य बहिष्कार समय से शुरू हुआ जिसमें तहसीलदार द्वारा लेखपाल संघ के प्रतिनिधि मण्डल से वार्ता किया गया जिसमें समझौता कराने का पूरा प्रयास किया गया परन्तु सभी लेखपाल उपजिलाधिकारी सदर को हटाने की मांग पर अड़े रहे वार्ता बेनतीजा रहा। साजिद खान वारसी मंत्री ने कहा कि

जनपद की चारो तहसील में सम्पूर्ण कार्य बहिष्कार शुरू हो जाएगा जिसकी जिम्मेदारी जिलाप्रशासन की होगी। धरने पर तहसील अध्यक्ष संजय सिंह, मंत्री साजिद खान, अभिनव, शैलेन्द्र, मनीष, रामचन्द्र, पंकज, मुकेश, सुधीर, अभिषेक, रत्नेश, संजीव श्रीवास्तव, रेशमा, कंचन, वन्दना, श्वेता, हरिंदर, हिरदेश मदन मोहन, कृष्ण कांत दुबे दुर्गेश, आदि लेखपाल मौजूद रहे।

सड़कों पर दिखा मगरमच्छ, बाइक और चार पहिया वाहनों के बीच आराम कर रहा था, लोगों ने रेस्क्यू की मांग की

सोनभद्र। जिले में इन दिनों मगरमच्छों की लगातार मौजूदगी लोगों के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। जलाशयों और नदियों से निकलकर मगरमच्छ अब सड़क और रिहायशी इलाकों के आसपास दिखाई देने लगे हैं। इसी बीच सड़क पर आराम करते मगरमच्छ का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में मगरमच्छ सड़क के बीचों-बीच पड़ा दिखाई दे रहा है और उसके

आसपास से बाइक व चार पहिया वाहन गुजरते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि सड़क पर अचानक मगरमच्छ दिखाई देने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। खासकर बाइक सवारों के लिए सड़क पर बैठे मगरमच्छ से बचना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। वहीं, चार पहिया वाहन भी उसके बेहद करीब से

गुजरते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बारिश और जलस्तर में बदलाव के बाद जिले के कई इलाकों में मगरमच्छों की आवाजाही बढ़ी है। पानी के आसपास रहने वाले लोगों के साथ-साथ सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों को भी सतर्क रहने की जरूरत है। लोगों ने वन विभाग से मांग की है कि जहां भी मगरमच्छों की मौजूदगी की

सूचना मिल रही है, वहां टीम भेजकर स्थिति का जायजा लिया जाए और मगरमच्छों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाए। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, मगरमच्छ को देखकर उसके पास जाने, छेड़ने या भीड़ लगाने के बजाय सुरक्षित दूरी बनाए रखना चाहिए। वायरल वीडियो ने एक बार फिर सड़क और रिहायशी इलाकों में वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही को लेकर चिंता बढ़ा दी है।



NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेंसी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480



स्पोर्ट्स



एशियाड- में कुराश खिलाड़ी यश कुमार का डोप टेस्ट पॉजिटिव, सैंपल में 3 प्रतिबंधित पदार्थ मिले, ओसीए ने किया प्रोविजनल सस्पेंड

स्पोर्ट डेस्क। नागोया में चल रहे एशियन गेम्स में भारतीय कुराश खिलाड़ी यश कुमार चौहान का डोप टेस्ट पॉजिटिव आया है। 24 साल के यश के 27 सितंबर को लिए गए डोप सैंपल में तीन प्रतिबंधित पदार्थ मिले हैं। इसके बाद एशियन ओलिंपिक काउंसिल (ओसीए) ने उन्हें तत्काल प्रभाव से प्रोविजनल सस्पेंड कर दिया है। अब वे एशियन गेम्स से जुड़ी किसी भी खेल गतिविधि में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। सैंपल में 3 प्रतिबंधित पदार्थ मिले:- इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी (आईटीए) के अनुसार, यश का डोप सैंपल 27 सितंबर को प्रतियोगिता के दौरान लिया गया था। जांच में उनके सैंपल में मीटैडिनेनोन, जीडब्ल्यू1516 और मेफेंटरमाइन मिले। ये तीनों पदार्थ खेलों में प्रतिबंधित हैं। मीटैडिनेनोन एक स्टेरॉयड है, जबकि जीडब्ल्यू1516 और मेफेंटरमाइन भी बाइको प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल हैं। इसे डोप सैंपल में प्रतिबंधित पदार्थ पाए जाने की पुष्टि माना जाता है। बी सैंपल की जांच कर सकते हैं-यश कुमार चौहान को अपने बी सैंपल की जांच कराने का अधिकार है। वे अपने प्रोविजनल सस्पेंशन को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट्स (सीएएस) के एटी-डोपिंग डिविजन में चुनौती भी दे सकते हैं। बी सैंपल की जांच के बाद मामले में आगे की कार्रवाई एटी-डोपिंग नियमों के तहत होगी। इसलिए अभी यश के मामले में अंतिम फैसला होना बाकी है।

‘रकिंग’ पीठ पर वजन लेकर चलने-दौड़ने के 10 फायदे, न करें ये गलतियां, बरतें 8 जरूरी सावधानियां

जयपुर। फिट रहने के लिए लोग जिम जाते हैं। वॉकिंग, जॉर्जिंग, रनिंग जैसी एक्सरसाइज करते हैं। इन सब अलग-अलग वर्कआउट के बीच आजकल एक नई फिटनेस एक्टिविटी तेजी से पॉपुलर हो रही है, जिसे ‘रकिंग’ कहते हैं। इसमें व्यक्ति अपनी पीठ पर वजन वाला बैग लेकर चलता या दौड़ता है। सेना के जवानों की ट्रेनिंग में लंबे समय से इस्तेमाल होने वाली यह तकनीक अब आम लोगों के बीच भी फिटनेस ट्रेड बन रही है। एक्सपर्ट कहते हैं कि रकिंग से सामान्य वॉकिंग, जॉर्जिंग या रनिंग की तुलना में ज्यादा कैलोरी बर्न होती है, मांसपेशियां मजबूत होती हैं और स्टैमिना बढ़ता है। खास बात यह है कि इसके लिए किसी महंगे उपकरण या जिम की जरूरत नहीं है। इसलिए आज रकिंग पर विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- क्या रकिंग सभी के लिए सुरक्षित है? रकिंग में कितना वजन लेकर चलना चाहिए? रकिंग करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट: डॉ. नितीन बजाज, कंसल्टंट, फिजियोथेरेपी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से।

सवाल- रकिंग क्या है? जवाब- रकिंग एक फिटनेस एक्सरसाइज है। इसे पॉइंट्स से समझिए- रकिंग में व्यक्ति अपनी पीठ पर वजनदार बैग (कैसेक) लेकर पैदल चलता है। यह सामान्य वॉकिंग की तुलना में ज्यादा चैलेंजिंग होती है क्योंकि एक्सट्रा वेट के कारण शरीर को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे स्टैमिना, मसल स्ट्रेंथ और कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस बेहतर हो सकती है। सवाल- रकिंग क्यों इतनी पॉपुलर हो रही है? जवाब- इसके पीछे ये संभावित कारण हो सकते हैं-पहला कारण तो ये कि ये सस्ता और आसान उपाय है। कोई भी इसे कर सकता है। इसके लिए जिम जाने या कोई खास मशीन खरीदने की जरूरत नहीं है। रकिंग से कार्डियो और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, दोनों होते हैं। यह एक तरह की फुल बॉडी एक्सरसाइज है। सवाल- रकिंग के हेल्थ बेनिफिट्स क्या हैं? जवाब- रकिंग को शुरूआत कैसे करें? जवाब- रकिंग शुरू करने के लिए सबसे पहले एक आरामदायक बैग चुनें और उसमें हल्का वजन रखें। शुरूआत 15-20 मिनट या 1-2 किलोमीटर की वॉक से करें। शरीर के अभ्यस्त होने पर धीरे-धीरे वजन, दूरी और समय बढ़ाएं। सवाल- कितना वजन लेकर चलना सुरक्षित माना जाता है? जवाब- अपने बॉडी वेट के 5-10फीसदी के बराबर वजन से शुरूआत करना सुरक्षित माना जाता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी

पर अनावश्यक दबाव नहीं पड़ता। बैग की स्ट्रैप्स अच्छी तरह फिट होनी चाहिए, ताकि चलते समय बैग इथर-उधर न हिले। सवाल- रकिंग के दौरान कौन-सी गलतियां नहीं करनी चाहिए? जवाब- रकिंग के समय कुछ सामान्य गलतियां चोट और दर्द का कारण बन सकती हैं। बिना वार्म अप रकिंग न करें। पोस्चर का खास ख्याल रखें। ढीले बैग का इस्तेमाल न करें। शुरू में ज्यादा वेट न उठाएं। वजन बढ़ाने न करें। वजन, दूरी अचानक न बढ़ाएं। अनकंपर्टबल जूतों में न करें। सवाल- रकिंग करते समय किन बातों का ध्यान



रखना चाहिए? जवाब- रकिंग को सुरक्षित और प्रभावी बनाने के लिए सही वजन, सही तकनीक और शरीर की क्षमता का ध्यान रखना जरूरी है। रकिंग से पहले वार्म अप करें। बैग अच्छी तरह फिट करके पहनें। पीठ सीधी, कंधे संतुलित रखें। आरामदायक स्पोर्ट्स शूज पहनें। हल्के वजन से शुरूआत करें। पर्याप्त पानी पीते रहें। वजन और दूरी धीरे-धीरे बढ़ाएं। असहजता होने पर रुक जाएं। सवाल- रकिंग से पहले और बाद में क्या करें? जवाब- रकिंग से पहले शरीर को तैयार करना और बाद में रिकवरी पर ध्यान देना जरूरी है। इसके लिए दी गई

कुछ बातों का खास ख्याल रखें- पहले-थोड़ा पहले पानी पिएं। 5-10 मिनट वार्म अप करें। हल्की स्ट्रेचिंग करें। कुल डाउन वॉक करें। बाद में- बैग, जूतों की फिटिंग देखें। स्ट्रेचिंग करें। थकान होने पर रैस्ट करें। शरीर को हाइड्रेट करें। पॉस्टिक डाइट लें। सवाल- किन लोगों को रकिंग नहीं करनी चाहिए? जवाब- रकिंग हर किसी के लिए उपयुक्त नहीं होती है। किन्हें

किंग नहीं करनी चाहिए? जिन्हें कमर में दर्द है। जिनके घुटनों में दर्द है। जिन्हें स्लिप डिस्क है। जिनकी हाल में सर्जरी हुई है। जिन्हें हार्ट डिजीज है। गर्भवती महिलाएं। जिन्हें ऑस्टियोआर्थराइटिस है। रकिंग से जुड़े कॉमन सवाल-जवाब सवाल- क्या ज्यादा रकिंग से कमर से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं? जवाब- हां, जरूरत से ज्यादा वजन उठाने, गलत तरीके से चलने या लंबे समय तक रकिंग से कमर, कंधे और पीठ पर दबाव बढ़ सकता है। इससे प्रॉब्लम हो सकती है। इसलिए- संतुलन बनाए रखें। एक

भारत को 44 साल बाद एशियाड विमेंस हॉकी का गोल्ड, चीन को हराकर ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई किया-13वें दिन इंडिया को 6 गोल्ड

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय विमेंस हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में 44 साल बाद गोल्ड जीत लिया। भारत ने फाइनल में चीन को 1-0 से हराया। टीम के लिए एकमात्र गोल लालरेमसियामी ने किया। शुक्रवार को गोलकीपर सविता पुनिया ने फर्स्ट हाफ में चीन का पेनल्टी स्ट्रोक रोककर भारत की बढ़त कायम रखी। इस जीत के साथ भारत ने लॉस एंजेलिस 2028 ओलिंपिक के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। भारत ने इससे पहले 1982 में साउथ कोरिया को हराकर गोल्ड जीता था। विमेंस हॉकी के गोल्ड के साथ भारत के कुल 16 गोल्ड हो गए हैं और वह मेडल टैली में 5वें नंबर पर है। 13वें दिन 6 गोल्ड-पहला: सुबह भारतीय महिला तीरंदाजी टीम ने रिकर्व इवेंट में गोल्ड जीता था। दूसरा: बॉक्सर परवीन हुड्डा ने विमेंस 65 किग्रा में गोल्ड जीता। तीसरा: लवलीना बोरगोहेन ने विमेंस 75 किग्रा में गोल्ड जीता। चौथा: बॉक्सर अंकुश पंगाल ने

पुरुषों की 80 किग्रा वेट कैटेगरी में गोल्ड जीता। पांचवां: सुजीत कलकल ने अंकुश के गोल्ड से पहले पुरुष रेसलिंग के 65 किग्रा जीता। वह 2018 वेग्स एशियन गेम्स में बॉक्सिंग गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बने। इससे पहले परवीन हुड्डा ने विमेंस 65 किग्रा फाइनल में चेन निएन-चेन को 3-2 से हराकर गोल्ड जीता था। लवलीना बोरगोहेन ने विमेंस 75 किग्रा फाइनल में बाओ जिया को 5-0 से हराकर गोल्ड अपने नाम किया। इस रिकर्व टीम को सिल्वर मिला। कुमकुम मोहोड और धीरज बोमदेवरा की मिक्स्ड रिकर्व टीम ने भी सिल्वर जीता। सेलिंग ने ब्रांज़ अपने नाम किया, जबकि मेस सेक्रेटकरा टीम ने भी ब्रांज़ जीता।

तब पहली बार एक ही एशियन गेम्स में 3 भारतीय बॉक्सर चैंपियन बने। सुजीत ने पिछड़ने के बाद रेसलिंग में जीता गोल्ड- रेसलिंग के पुरुषों के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल में सुजीत कलकल ने ताजिकिस्तान के अब्दुलमजीद कुडिख को 10-9

गेहूं आटे में स्टोन पाउडर की मिलावट, खाने से किडनी-लिवर डैमेज का रिस्क, जानें मिलावटी आटा कैसे पहचानें

नयी दिल्ली। हाल ही में से पता चला कि उत्तर प्रदेश की कई फैक्ट्रियों में गेहूं के आटे में सफेद पत्थर का चूरा (स्टोन पाउडर) मिलाया जा रहा है। रिपोर्टर ने बाकायदा ऑन कैमरा इस पूरे प्रोसेस को कैद किया। रिपोर्ट के मुताबिक हाथरस और फिरोजाबाद की फैक्ट्रियों में आटे में स्टोन पाउडर मिलाया जा रहा था। कुछ दिन पहले बुलंदशहर, अलीगढ़ और फिरोजाबाद में भी ब्रांडेड आटे में स्टोन पाउडर की मिलावट पकड़ी गई थी। इस रिपोर्ट ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है कि ‘कहीं हम भी स्टोन पाउडर मिला आटा तो नहीं खा रहे हैं।’ ऐसा आटा खाने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इससे लंबे समय में लिवर और किडनी डैमेज का रिस्क बढ़ता है। इसलिए आज मिलावटी आटे के हेल्थ रिस्क पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- स्टोन पाउडर मिले आटे की पहचान कैसे करें? आटा खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट देवेन्द्र कुमार दुबे, फूड सेफ्टी ऑफिसर, फूड एंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन, दमोह व डॉ. अरविंद अग्रवाल, डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मिलावटखोर गेहूं के आटे में स्टोन पाउडर क्यों मिलाते हैं? जवाब- मिलावटखोर ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए गेहूं के आटे में स्टोन पाउडर मिलाते हैं। यह गेहूं की तुलना में काफी सस्ता होता है। इसे मिलाने से आटे की मात्रा और वजन बढ़ जाता है, जबकि लागत कम रहती है। इससे मिलावटखोरों को ज्यादा मुनाफा होता है। चंद पैसों के लिए वे लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं और उन्हें ‘स्लो पॉइजन’ दे रहे हैं। सवाल- आटे में जिस स्टोन पाउडर की मिलावट की जा रही है, क्या वो कोई खास तरह का पत्थर होता है? जवाब- हां, इसे सेलखड़ी या सोपस्टोन कहा जाता है। यह राजस्थान के कुछ खदानों से निकाला जाता है। इसका इस्तेमाल कॉन्स्ट्रक्शन, प्लास्टिक, पेंट, कागज और मूर्तियां बनाने जैसे कामों में होता है। यह खाने के लिए नहीं है, लेकिन मिलावटखोर मुनाफे के लिए इसे आटे में मिलाते हैं। इसका पाउडर बेहद महीन होता है। इसे आटे में मिलाने पर मुंह में किरकिराहट महसूस नहीं होती। रोटी के स्वाद और रंग

मुश्किल होता है। सवाल- आटे में स्टोन पाउडर की मिलावट को कैसे पहचानें? जवाब- कुछ आसान घरेलू तरीकों से इसका पता लगाया जा सकता है। शक होने पर ऑथराइज्ड फूड टेस्टिंग लैब से आटे की जांच करानी चाहिए। आटे में ‘स्टोन पाउडर’ कैसे पहचानें? लेमन टेस्ट, कटोरी में आटा लें। नींबू की कुछ बूंदें डालें। बिलबुलें बनें तो मिलावट है। वाटर टेस्ट गिलास में पानी भरें। आटा डालकर मिलाएं। तली में बैठ जाए तो मिलावट है। फिंगर टेस्ट- हथेली पर रखकर रगड़ें। शुद्ध आटा खुरदरा लगेगा। असामान्य चिकनाहट हो तो

सवाल- क्या एफ.एस.एस.ए.आई ने आटे को लेकर कोई मानक तय किए हैं? जवाब- हां, ‘भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण’ (एफ.एस.एस.ए.आई) ने गेहूं के आटे के लिए क्वालिटी और सुरक्षा संबंधी मानक तय किए हैं।

नियमों के मुताबिक- आटा साफ और अच्छी क्वालिटी के गेहूं से तैयार होना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की हानिकारक मिलावट, असामान्य स्मेल या स्वाद नहीं होना चाहिए। एफ.एस.एस.ए.आई ने आटे में नमी और अन्य गुणवत्ता मानकों की भी सीमा तय की है।

इन नियमों का पालन सभी फूड कारोबारियों के लिए जरूरी है। मिलावटी आटा यानी ढेर सारा टॉक्सिन। टॉक्सिन को छानने का काम किडनी का है। खराब खाना खाएंगे तो किडनी का वर्कलॉड बढ़ेगा और वह डैमेज हो सकती है। इसलिए खाने में किसी भी तरह की मिलावट शरीर तब तक खतरनाक है। सवाल- अगर आटे में मिलावट का शक हो तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में तुरंत कुछ कदम उठाएं- ऐसे आटे का इस्तेमाल तुरंत बंद कर दें। पैकेट, बिल और बचा हुआ आटा सुरक्षित रखें, ताकि जांच में जरूरत पड़ने पर उसे सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके।

राज्य के फूड सेफ्टी विभाग में शिकायत दर्ज कराएं। एफ.एस.एस.ए.आई के ‘फूड सेफ्टी कनेक्ट’ एप, टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1930 या वेबसाइट के जरिए शिकायत दर्ज कराएं।

शिकायत मिलने पर फूड सेफ्टी ऑफिसर सैंपल लेकर जांच करते हैं।

सवाल- मिलावट की पुष्टि होने पर क्या कार्रवाई हो सकती है?

जवाब- ऐसे केस में संबंधित निर्माता, सप्लायर या विक्रेता के खिलाफ ‘फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006’ के तहत एक्शन लिया जाता है। मामले की गंभीरता के आधार पर ये कार्रवाइयां हो सकती हैं- मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए जा सकते हैं।

फूड बिजनेस का लाइसेंस निलंबित हो सकता है। लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। जुर्माना लगाया जा सकता है। गंभीर मामलों में जेल हो सकती है।

पैकेज्ड आटा लेते हुए सावधानियाँ

विश्वसनीय ब्रांड चुनें।

FSSAI लाइसेंस नंबर देखें।

सीलबंद पैकेट ही खरीदें।

मैन्युफैक्चरिंग, एक्सपायरी डेट देखें।

पैकेट फूला, फटा न हो।

बहुत सस्ता आटा न खरीदें।

खरीदते समय बिल जरूर लें।

किडनी और लिवर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। लंबे समय तक इसे खाने से कई स्वास्थ्य समस्याओं का रिस्क बढ़ता है। शॉर्ट टर्म:- पेट दर्द, गैस और अपच, कब्ज, दस्त, पेट फूलना। लॉन्ग टर्म:- किडनी डैमेज, लिवर डैमेज, आंतों को नुकसान, न्यूट्रिशन अब्सॉर्शन प्रभावित। सवाल- क्या सिर्फ देखकर मिलावटी आटे की पहचान कर सकते हैं? जवाब- नहीं, स्टोन पाउडर बहुत महीन और सफेद होते हैं। इन्हें आटे में मिलाने पर रंग, बनावट या रोटी के स्वाद में कोई खास फर्क नहीं दिखता। इसलिए मिलावट पकड़ना

मिलावट है। नोट: ये तरीके केवल प्रारंभिक संकेत हैं। मिलावट की पुष्टि लैब टेस्ट से ही होती है। पैकेज्ड आटा खरीदते समय सिर्फ ब्रांड देखकर भरोसा न करें। पैकेट पर दी गई डिटेल्स, पैकेजिंग और क्वालिटी की जांच जरूर करें। पैकेज्ड आटा लेते हुए सावधानियों- विश्वसनीय ब्रांड चुनें। एफ.एस.एस.ए.आई लाइसेंस नंबर देखें। सीलबंद पैकेट ही खरीदें। मैन्युफैक्चरिंग, एक्सपायरी डेट देखें। पैकेट फूला, फटा न हो। बहुत सस्ता आटा न खरीदें। मिलावट खरीदते समय सिर्फ कीमत नहीं,



बढ़ती है। हार्ट-लॉस की फिटनेस बढ़ती है। हड्डियां मजबूत होती हैं। बोन डेंसिटी बढ़ती है। पोस्चर, बैलेंस बेहतर होता है। ज्यादा कैलोरी बर्न होती है। स्टैमिना, एंड्यूरेंस बढ़ता है। मेटल हेल्थ बेहतर होती है। कोर स्टेबिलिटी बेहतर होती है। स्ट्रेस, एंजाइमी कम होती है। सवाल- क्या सामान्य वॉक की तुलना में रकिंग से ज्यादा कैलोरी बर्न होती है? जवाब- हां,

का बॉडी वेट 70 किलो है तो वह 3.5 से 7 किलो तक का वजन अपनी पीठ पर लादकर रकिंग कर सकता है। शरीर के अभ्यस्त होने पर वजन धीरे-धीरे बढ़ाया जा सकता है। सवाल- रकिंग बैग को उठाने का सही तरीका क्या है? जवाब- रकिंग बैग में वजन को पीठ के ऊपरी हिस्से के करीब और समान रूप से रखना चाहिए। इससे बैलेंस बना रहता है और कमर व कंधों

स्वस्थ राजनीति वही है जिसमें सकारात्मकता पर फोकस हो

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के पास भारत के

ठहराया जाएगा। छात्रों के लगातार दबाव में सरकार को



लिए एक दृष्टि जरूर हो सकती है, लेकिन वो क्या है ये स्पष्ट रूप से पता नहीं चलती। विपक्ष के नेता बनने के बाद दिए गए वक्तव्यों में उन्होंने भारत के बारे में अपनी सोच को स्पष्ट रूप से सामने नहीं रखा है। उन्होंने केवल उन बातों को दोहराया है, जो सर्वविदित हैं- बहुलतावाद, सहिष्णुता और समावेशिता। मसलन, राहुल गांधी की आर्थिक दृष्टि क्या है? 21वीं सदी के भारत के लिए उनकी भू-राजनीतिक रूपरेखा क्या है? शिक्षा-व्यवस्था में सुधार के लिए उनके ठोस विचार क्या हैं? उनकी प्रेस वार्ताएं मुख्यतः संघ की आलोचना, उद्योगपतियों को कठघरे में खड़ा करने तथा ग्रेट निकोबार जैसी बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का विरोध करने पर केंद्रित रही हैं। लेकिन क्या राहुल ने श्रीहरिकोटा स्थित उस अंतरिक्ष केंद्र का दौरा किया है, जहां से इसरो अपने चंद्र मिशनों को लॉन्च करता है? क्या उन्होंने दर्जनों स्पेस-टेक स्टार्टअप्स से संवाद किया है? इनमें स्काईरूट एयरोस्पेस भी शामिल है, जिसने हाल ही में 350 किलो पेलोड वाले लो-अर्थ ऑर्बिट उपग्रहों के साथ विक्रम-१ रॉकेट का सफल प्रक्षेपण कर इतिहास रच दिया।वह पहले ही प्रश्न में सफल रहा, जबकि स्पेसएक्स तक को पहले प्रक्षेपण में तीन बार विफलता का सामना करना पड़ा था। 18 जुलाई को स्काईरूट वेग पहले सफल प्रक्षेपण के साथ भारत निजी क्षेत्र में उपग्रह प्रक्षेपण क्षमता रखने वाला अमेरिका और चीन के बाद तीसरा देश बन गया। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी, एआई और चिकित्सा-उपकरण जैसे क्षेत्रों में हमारे युवा जो प्रगति कर रहे हैं, उसकी अनदेखी करके राहुल गांधी मूल मुद्दे से भटक रहे हैं। इनमें से कई इन्ोवेशन ऐसे हैं, जिनका हमारे दैनिक जीवन में उपयोग है और जिन पर गंभीर ध्यान, विमर्श और बहस की आवश्यकता है। भारत को ऐसे सशक्त विपक्षी नेता की जरूरत है, जो देश के लिए सकारात्मक दिशा प्रस्तुत कर सके, न कि जो स्वयं को केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित रखे। हाल में हुए छात्र आंदोलनों में भी राहुल ने शिक्षा-व्यवस्था में सुधारों को लेकर कोई नया सुझाव नहीं दिया। नीट परीक्षा आयोजित करने वाली एनटीए में अरसे से लम्बित सुधारों की उपेक्षा के लिए तो सरकार को ही जवाबदेह

वही लीडर एक्शन लेते हैं, जो बदलाव को पहले पहचानते हैं

दुनिया में बिजनेस का परिदृश्य पहले कभी इतना गुंथा हुआ और जटिल नहीं था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार करने वाली कंपनियां आज नए प्रकार के खतरों का सामना कर रही हैं। उन्हें एक समय में एक नहीं, बल्कि कई ऐसे जोखिमों से जूझना पड़ रहा है, जो एक-दूसरे की ओर अधिक बढ़ाते हैं। यह दूर की आशंका नहीं- यह अभी, इसी समय, वास्तविक रूप से उन उद्योगों में घटित हो रहा है, जो कभी स्वयं को वैश्विक राजनीति के प्रभाव से सुरक्षित मानते थे। ब्रांड जोखिम तो सामने ही मौजूद है। स्टारबक्स और मैकडॉनल्ड्स जैसी कंपनियां हाल के वर्षों में बॉयकॉट का सामना कर चुकी हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि भू-राजनीतिक तनाव किस तेजी से दशकों में अजिंत ब्रांड वैल्यू को नुकसान पहुंचा सकता है। इसके साथ वित्तीय जोखिम भी जुड़ा है। अपेक्षाकृत शांत परिस्थितियों में लिया गया अस्थिरालक कर्ज भी बाजार में अत्यारिता आते ही गंभीर संकट का कारण बन सकता है। और भू-राजनीतिक जोखिम तो पहले से कहीं अधिक तीव्र हो गए हैं। आज कंपनियों के राजनीतिक विवादों,

प्रतिबंधों या संघर्षों में उलझने की संभावना कहीं अधिक है, जबकि अमूमन इसमें उनकी कोई गलती नहीं होती। कोई कंपनी यदि अपनी आपूर्ति श्रृंखला के लिए किसी एक देश या अपनी आय के लिए किसी एक मुद्रा पर अत्यधिक निर्भर है, तो हजारों किलोमीटर दूर किसी सरकार की कार्यालय में लिया गया एक निर्णय उसकी स्ट्रैटेजी को बाधित कर सकता है। मौजूदा दौर इन्हीं मायनों में अलग है, क्योंकि ये जोखिम केवल एक-दूसरे में जुड़ ही नहीं रहे, बल्कि एक-दूसरे को कई गुना बढ़ा भी रहे हैं। जब कोई भू-राजनीतिक विवाद उत्पन्न होता है, तो वह किसी ब्रांड की साख को नुकसान पहुंचा सकता है। ब्रांड की साख कमजोर होने से रेवेन्यू प्रभावित होता है और रेवेन्यू में गिरावट के कारण पहले से लिया गया कर्ज चुकाना अधिक कठिन हो जाता है।

इस प्रकार एक जोखिम दूसरे को जन्म देता है और उनका संयुक्त प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। यही कारण है कि जो लीडर्स इन खतरों को अलग-अलग मानकर उनका सामना करते हैं, वे हमेशा एक कदम पीछे रह जायेंगे।

जब बच्चों को हमारी जरूरत नहीं रह जाती, तब हमारा दूसरा उद्देश्य क्या होता है?

वे दिन याद कीजिए जब बच्चा बस यह कह देता था कि मुझे यह चाहिए, और आप किसी तरह थोड़ी-बहुत बचत करके, अपने पति से कुछ छिपाकर

थी कि खाना खाया? या क्या-क्या खाया?, वह अब किसी के द्वारा उससे यही सवाल पूछने का इंतजार करती है। जो पिता कभी अपने बच्चे की छोटी-सी समस्या

होने का दिखावा कर रहा है। वे मैं ठीक हूँ और मैं सचमुच ठीक हूँ के बीच का फर्क जानते हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि वे वर्षों तक बच्चों की जरूरतों पर



उसकी वह इच्छा पूरी करने का रास्ता निकाल लेती थीं। वे दिन याद कीजिए जब बच्चे का शरीर कढ़ाही की तरह तप रहा होता था तो आप पूरी-पूरी रात जागकर उसके माथे पर ठंडी पट्टी बदलती रहती थीं। और वह दिन भी याद कीजिए जब आपका बच्चा अमेरिका चला गया और उसने आपसे कहा कि न्यूयॉर्क में अपार्टमेंट बुक करने के लिए उसके पास डाउन पेमेंट के पर्याप्त पैसे नहीं हैं, तब आपने किसी का सौभाग्य है कि उनके सामने ऐसी सरकार है, जो सड़क पर होने वाले आंदोलनों के दबाव में पीछे हट जाती है। 2020 में शायीन बाग आंदोलन के दौरान कई महीनों तक सड़कें अवरोद्ध रही थीं। इसके बाद किसानों के आंदोलन में भी सरकार ने पीछे हटने और आंदोलनकारियों को संतुष्ट करने का रास्ता अमनाया। आंदोलनकारियों को संतुष्ट करने की सरकार की नीति ने उसकी सबसे बड़ी कमजोरी को उजागर कर दिया है। विपक्ष ने भी इस कथित कमजोरी का लाभ उठाने में कोई देर नहीं की। लेकिन इसका नतीजा यह निकला है कि संसद में बहस का स्तर भी गिरा है।इसी कारण प्रियंका गांधी ने भी अपने भाई के नक्शेकदम पर चलते हुए टास्क फोर्स के सदस्य- प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि पर गोमूत्र के औषधीय गुणों में उनके विश्वास को लेकर हमला बोला।

इसमें वास्तविक मुद्दा पीछे छूट गया- यह कि टास्क फोर्स नीट परीक्षा को पूरी तरह नकल और पेपर-लीक से सुरक्षित बनाने पर कैसे ध्यान केंद्रित करेगी?

विपक्ष शासित राज्यों के साथ-साथ कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए सरकारों के दौरान भी नीट पेपर-लीक की घटनाएं हुई थीं, लेकिन छात्र आंदोलन को सुधार के बजाय राजनीतिक मुद्दा बना दिया गया है।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी, एआई और चिकित्सा-उपकरण जैसे क्षेत्रों में हमारे युवा जो प्रगति कर रहे हैं, उसकी अनदेखी करके हम मूल मुद्दे से भटक रहे हैं। इनमें से कई इन्ोवेशन ऐसे हैं, जो हमारे दैनिक जीवन में उपयोगी हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं, मिन्हाज मर्चेंट)



गंभीरता से देखें तो अरुंधति जैसी लड़कियां आने वाले समय में अनेक युवाओं के लिए प्रेरणा बन सकती हैं। कोटा जैसे शहर से जहां पूरी दुनिया प्रतियोगी परीक्षाओं के इर्द-गिर्द घूमती है- उनका मुक़ेबाजी में आगे बढ़ना एक मिसाल है। अब जबकि वे राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं और भारतीय सेना का हिस्सा भी हैं, उनकी कहानी देखकर अनेक युवा उनके रास्ते पर चलना चाहेंगे। खेलों में भी एक सामक़े कॅरियर बनाना जा सकता है। यदि पूरी एकाग्रता, ईमानदारी और समर्पण के साथ का दायरा बढ़ाना होगा और दिन सितारा भी बना जा सकता है। यह हम पैरंट्स के लिए भी एक सीख है कि बच्चों को केवल ओलिम्पिक पदक जीतना था। राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन वह उनकी अंतिम मंजिल नहीं है। ग्लासगो में मुझसे बात करते हुए अरुंधति ने कहा, आपने मीरा (मीराबाई चानू) को पिज्जा खिलाया था, हमें मिठाई खिलाइ।

हल करने के लिए गाड़ी उठाकर पूरे शहर में दौड़ते रहते थे, वे अब यह कहने से पहले भी हिचकिचाते हैं कि मेरी पीठ में दर्द हो रहा है। मेरे परिचितों में ऐसे कई पैरेंट्स हैं, जो अकसर मिलते-जुलते और साथ में पार्टी करते हैं, लेकिन जब उनमें से कोई एक कहता है कि मेरे बेटे ने मुझे फोन किया और 45 मिनट तक बात की तो वे अचानक भीड़ में अकेले पड़ जाते हैं। किसी की मां या पिता होने के कई दशकों बाद वे चुनचाप खुद से पूछते हैं कि अगर आज किसी को मेरी जरूरत नहीं है, तो मैं कौन हूँ? वे अतीत की यादों में चले जाते हैं, जब पैरेंट्स के रूप में उन्होंने अपनी जिंदगी का लगभग आधा हिस्सा एक ऐसे स्पष्ट उद्देश्य के साथ बिता दिया था, जिसे खोजने की उन्हें कभी जरूरत ही नहीं पड़ी थी। यह सफर आधी रात को सुनाई देने वाली एक नन्ही-सी किलकारी से शुरू हुआ था और स्कूल की यूनिफॉर्म, लंच-बॉक्स, होमवर्क, बुखार, परीक्षाओं, कॉलेज में दाखिले, पहली नौकरी, हाउब्रेक्स, शादी और बच्चों की सैकड़ों छोटी-छोटी जरूरतों से गुजरता हुआ आगे बढ़ा था- ऐसी जरूरतें, जिन्हें शायद बच्चे खुद भी याद न रखते हों। लेकिन माता-पिता उनमें से हर एक को याद रखते हैं। उन्हें अपने बच्चे की पसंद की हर डिश याद रहती है। वे जानते हैं कि उन पर कौन-सी दवा असर करती है। वे यह भी समझते हैं कि बच्चा कब ठीक

प्रतिक्रिया देते रहे हैं- चाहे वे कितनी ही छोटी हों या कितनी ही महंगी। ये तमाम बातें मुझे तब याद आईं, जब मैंने इस सप्ताह राशि ख्बाम (2013 की फिल्म मद्रास कैफे की अभिनेत्री) के बारे में पढ़ा। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि वे सही भूमिकाएं चुनने की कोशिश करती हैं, क्योंकि आज दर्शक चाहते हैं कि कहानी में हर किरदार का एक उद्देश्य हो। और वे कितनी सही थीं। आज की अकेली मांएं अचानक उस उद्देश्य को खो देती हैं, जिसके इर्द-गिर्द उनकी पूरी वयस्क जिंदगी निर्मित हुई थी। और सबसे दुःखद पहलू यह है कि बच्चे आज भी अपनी मांओं की मदद करना चाहते हैं, लेकिन मांओं को ही नहीं पता कि मदद मांगें कैसे? शायद वो इसी तरह से गढ़ी गई हैं।

पैरेंट्स से उम्मीद की जानी चाहिए कि वो अपनी अलग पहचान बनाएं। कुछ ऐसा सीखें, जिस वे 30 सालों से टालते आ रहे थे।

बच्चों का इंतजार किए बिना किसी जगह पर घूमने जाएं। फंडा यह है कि हर पैरेंट के पास अपने जीवन का कोई दूसरा प्रयोजन भी होना चाहिए और अगर वह बच्चे के दूर जाने से पहले ही शुरू हो जाए तो इससे अच्छा कुछ नहीं हो सकता। हमारे बच्चे हमेशा ही हमारे जीवन का उद्देश्य नहीं बने रहेंगे। उन्हें अपना जीवन भी जीना है और अपने स्वयं के उद्देश्यों को भी पूरा करना है। एन. रघुरामन

हमें समझना होगा स्पोर्ट्स अब कॅरियर विकल्प बन चुके हैं

‘मैंने अपने पिता को फोन किया और कहा, अब बोलिए कि आईआईटी करनी है।’- यह कहते ही अरुंधति चौधरी जोर से हंस पड़ीं। कोटा की रहने वाली अरुंधति ने आईआईटी का अपना सपना छोड़कर मुक़ेबाजी को कॅरियर के रूप में चुना था।

हालांकि उनके पिता इस खेल को लेकर आश्चर्य नहीं थे। उन्हें भरोसा नहीं था कि उनकी बेटी का मुक़ेबाजी में भविष्य बनेगा। उनकी चिंताएं वास्तविक थीं। लेकिन अरुंधति आसानी से हार मानने वालों में से नहीं थीं। जब उनके पिता को एहसास हो गया कि पढ़ाई को प्राथमिकता देने के लिए उन्हें समझाना व्यर्थ है, तो उन्होंने अरुंधति को किसी सोलो-स्पोर्ट्स को अपनाने का सलाह दी।अरुंधति का कहना है कि शुरुआत में मेरी रूचि टीम-खेलों में थी। एक दिन पापा ने मुझे समझाया कि राजस्थान में टीम-खेलों में सफल होना मुश्किल है, क्योंकि जल्दुरी नहीं कि तमाम साथी खिलाड़ी भी उनसे ही प्रेरित हों। उन्होंने कहा कि मेरे लिए किसी सोलो-खेल में जाना बेहतर रहेगा। यहीं से मेरी जिंदगी में मुक़ेबाजी की एंट्री हुई। पापा ने कहा, तू वैसे भी स्क्वेल में मारपीट करती है। बॉक्सिंग करेगी तो प्राइज मिलेगा! जब अरुंधति ने बॉक्सिंग को चुनने का फैसला किया था, तभी से उनका लक्ष्य ओलिम्पिक पदक जीतना था। राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण पदक बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन वह उनकी अंतिम मंजिल नहीं है। ग्लासगो में मुझसे बात करते हुए अरुंधति ने कहा, आपने मीरा (मीराबाई चानू) को पिज्जा खिलाया था, हमें मिठाई खिलाइ।

आर्थिक लाभ वर्षों तक परिवार का सहारा बनने में सक्षम हैं। खेल अब सॉफ्ट पावर से बढ़कर हैं। जब आप देखते हैं कि राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के 13 स्वर्ण पदकों में से 8 महिलाओं ने जीते हैं, तब एहसास होता है कि भारत की नारी शक्ति किस मुकाम पर पहुंच चुकी है। मुक़ेबाजी हो, भारोत्तोलन या जूडो-महिलाओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रमंडल खेलों को भारत के लिए बेहद सफल बना दिया। ऐसे में हमें फिर से यह पूछना होगा कि खेलों के क्षेत्र में क्या हम महिलाओं को आगे बढ़ने और अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए पर्याप्त अवसर दे रहे हैं?जब ग्लासगो में अस्मिता डे मुझसे कहती हैं कि वे अपने परिवार की एकमात्र कमाने वाली सदस्य हैं और उन्हें अपने पिता की बहुत याद आती है, जिन्होंने साइकिल मरम्मत की दुकान पर काम करके यह सुनिश्चित किया कि वह खेल जारी रख सकें, तब भारत की एक बेहद महत्वपूर्ण तस्वीर सामने आती है।यदि इन महिलाओं को अवसर दिए जाएं, तो निश्चित रूप से अरुंधति, प्रिया, प्रीति और अस्मिता जैसी अनेक प्रतिभाएं उभरकर सामने आएंगी। और जैसा कि मीराबाई चानू ने मुझसे कहा, मैं मणिपुर से हूँ और वहां से यहां तक पहुंचना आसान नहीं है। मेरे लिए खेल अपने देश के लिए कुछ विशेष करने का अवसर है, इसलिए यह स्वर्ण पदक मेरे लिए इतना मायने रखता है। हमें अपनी सोच का दायरा बढ़ाना होगा और समझना होगा कि नए भारत में खेल एक कॅरियर विकल्प बन चुके हैं और उनसे मिलने वाले आर्थिक लाभ वर्षों तक परिवार का सहारा बनने में सक्षम हैं। खेल अब सॉफ्ट पावर से बढ़कर हैं। (ये लेखक के अपने विचार हैं,बोरिया मजुमदार)

जीवन से दुःख कभी गायब नहीं हुआ, फिर गीतों की परंपरा से क्यों हो गया?

मुंबई। मुझे कभी-कभी लगता है कि आज की फिल्मों में जैसे दुःख का कोई वजूद ही नहीं रह गया है। एक जमाना था जब

है कि उसके दुःख को किसी ने समझा है। यही एहसास उसके दिल का बोझ हल्का कर देता है। जब मैं शैलेंद्र, साहिर



लगभग हर फिल्म में एक-दो ऐसे गीत जरूर होते थे जो बिछड़ने, तन्हाई, इंतजार, टूट हुए दिल या जिंदगी की शिकस्त की कहानी कहते थे। आज फिल्मी गानों को सुनकर तो ऐसा लगता है जैसे हर कोई हर वक्त खुश है। मैं तो मजाक में कह देता हूँ कि शायद सचमुच ‘अच्छे दिन आ गए हैं!’ लेकिन हकीकत यह है कि जिंदगी से दुःख कभी गायब नहीं हुआ। इंसान आज भी वही है। उसे आज भी मोहब्बत होती है, वह आज भी बिछड़ता है, उसे आज भी तन्हाई महसूस होती है और उसके ख्वाब आज भी टूटते हैं। तो फिर ऐसा क्या हुआ कि हमारे गीतों से दुःख क्यों गायब हो गया? मेरे खयाल में दुःख से मुंह मोड़ना किसी सेहतमंद समाज की निशानी नहीं है। यही वजह है कि पुराने दौर के दर्द भरे गीत सिर्फ मनोरंजन नहीं थे, बल्कि इंसान के दिल में दबे जज्बात को आवाज देते थे। जब कोई अपने ही दर्द को किसी गीत में सुनता है, तो उसे लगता

लुधियानवी और शक़ील बदायूनी जैसे गीतकारों को याद करता हूँ, तो महसूस करता हूँ कि उन्होंने दर्द को सिर्फ मोहब्बत तक सीमित नहीं रखा, उनके गीतों में तन्हाई भी थी, गरीबी भी थी, टूटे हुए ख्वाब भी थे, समाज का दर्द भी था और इंसान की बेबसी भी। शायद यही वजह है कि उनके लिखे हुए गीत आज भी उतने ही ताजा लगते हैं जितने अपने दौर में थे।आम इंसान न तो फिलॉसफी की किताबें पढ़ता है, न दुनिया का इतिहास समझने के लिए मोटे-मोटे ग्रंथ। उसके लिए फिल्मी गीत ही जीवन के मूल्य और संस्कारों के सबसे सहज शिक्षक रहे हैं। शैलेंद्र का यह गीत देखिए - किसी की मुस्कराहटों पे हो निसार, किसी का दर्द मिल सके तो लें उधार, किसी के वास्ते हो तेरे दिल में प्यार...। आज के बहुत-से फिल्मकार पश्चिमी सिनेमा के प्रभाव में बड़े हुए हैं। वे गीतों को कहानी का हिस्सा नहीं, बल्कि कारोबारी जरूरत

मानने लगे हैं। गीतों को बैकग्राउंड में धकेला जा रहा है, जबकि वे भारतीय सिनेमा की सांस्कृतिक विरासत हैं। बिना गीतों की फिल्म बनाना अलग बात है, लेकिन गीतों की पूरी परंपरा को खत्म कर देना न कला के हित में है, न संस्कृति के। लेकिन जरा हमारी सांस्कृतिक विरासत को देखिए। संस्कृत के प्राचीन नाटकों में गीत हैं। रामलीला और कृष्णलीला में गीत हैं। उर्दू और पारसी थिएटर में गीत हैं।नोटकी जैसी लोकनाट्य परंपराओं में गीत हैं। यानी हमारी कथा-परंपरा में संगीत और कहानी हमेशा साथ-साथ चले हैं। फिर आज हम उनसे शर्मिंदार क्यों हों? आज कई फिल्मकार गीतों को एक तरह की ‘नेसेसरी इविल’ समझते हैं।

इसका असर भी साफ दिखाई देता है। कई बार गीत का उस दृश्य से कोई रिश्ता ही नहीं होता जो पर्दे पर चल रहा है। वह बस इसलिए मौजूद होता है कि एल्बम बिके, ‘स्ट्रीमिंग’ हो और कारोबार चलता रहे; लेकिन मेरे लिए गीत तभी सार्थक है, जब वह कहानी और किरदारों के साथ सांस ले। एक और बात मुझे परेशान करती है। आज संगीत की रफ्तार इतनी तेज हो गई है कि शब्दों को सانس लेने की मोहलत ही नहीं मिलती। धुन, ताल और तकनीक कई बार बोलों पर हावी हो जाते हैं, जबकि गीत की जान उसके अल्फाज में होती है। शब्द तभी असर करते हैं, जब उन्हें सुनने, समझने और महसूस करने का वक्त मिले। आज का संगीत कहीं-न-कहीं बाजार की जदबजाी का शिकार हो गया है। यह मान लिया गया है कि लोगों को सिर्फ तेज धुन, डांस नंबर और जश्न के गीत चाहिए। मैं इससे इत्तेफाक नहीं रखता।

क्यूआर कोड महज जानकारी का जरिया है, हाइजीन का सबूत नहीं

स्ट्रीट फूड सिर्फ लखनऊ ही नहीं, इंदौर जैसे शहरों की भी शान है। या फिर कहे कि हर शहर के कुछ खास हिस्से उसकी शान होते हैं, जैसे मुखई

निर्भर करती है कि जानकारी कौन कलेक्ट करता है, उसे सत्यापित करता है और यह कितनी बार अपडेट की जाती है।जब करोड़ां भारतीय हर हफ्ते



में घाटकोपर की ‘खाऊ गली’, बांद्रा का एल्को मार्केट, दिल्ली में चांदनी चौक, चावडी बाजार और कलकत्ता, जयपुर में चौड़ा रास्ता, जौहरी बाजार और एमआई रोड। गुजरात के कई शहरों को तो भूलना ही नहीं चाहिए। हाल ही में मुझे पता चला कि अहमदाबाद की क्यूआर कोड आधारित फूड सेफ्टी और फीडबैक व्यवस्था से प्रेरित होकर लखनऊ के लोगों ने भी अपने नगर निगम और फूड सेफ्टी एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन से शहर के फूड

स्ट्रीट फूड खाते हैं तो क्या हर आउटलेट पर क्यूआर कोड लगाना हाइजीन सुधारने के लिए पर्याप्त है? हो भी सकता है और नहीं भी। मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, लखनऊ, हैदराबाद, अहमदाबाद और बेंगलुरु जैसे किसी भी बड़े शहर में देखिए, स्ट्रीट फूड ऑफिस-वर्कर्स, स्टूडेंट्स, पर्यटकों और प्रवासी कामगारों के लिए रोज का भोजन है। चूंकि यह



असंगठित बाजार हैं तो अनुमानतः इसका टर्नओवर कुछ लाख करोड़ रुपए का है। यह सच्ची, मसाले, डेयरी, मीट, ईंधन, बर्तन, पैकेजिंग और लॉजिस्टिक्स जवाबदेही बढ़ा देता है और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई में अधिकारियों की मदद भी कर सकता है, लेकिन हाइजीन जैसी रोजमर्रा की समस्या में यह कैसे कारगर होगा? चूंकि स्ट्रीट वेंडर्स ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं होते तो सिर्फ एक क्यूआर कोड हाइजीन की गारंटी नहीं देता। यह इतनी-सी गारंटी देता है कि कोई व्यक्ति जानकारी ले सकता है। यह विश्वसनीयता भी इस बात पर

समय पर लैब टेस्ट और ऐसे विक्रेता चाहिए, जो हाइजीन का महत्व समझते हों।

अधिकतर स्ट्रीट वेंडर्स जानबूझकर अन-हाइजीनिक नहीं होते। उनमें से बहुत-से अप्रशिक्षित होते हैं। इसलिए जरूरत है कि हम उन्हें ट्रेनिंग दें, न कि सिर्फ नियमों में बांधें। फंडा यह है कि कि सबसे मजबूत समाधान किसी एक मैकेनिज्म पर निर्भर रहना नहीं, बल्कि ऐसा लैयर्ड सिस्टम तैयार करना है, जिसमें तकनीकी, निरीक्षण, विक्रेता और ग्राहक-सभी की अपनी अलग भूमिका हो।एन. रघुरामन

इमरान की पार्टी और पाक सरकार की बातचीत,इस्लामाबाद मार्च टालने पर चर्चा, पीटीआई की इमरान से मिलने की मांग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) और सरकार के बीच आज फिर बातचीत होगी। बैठक में 4 अक्टूबर को होने वाले पीटीआई के इस्लामाबाद मार्च को टालने और राजनीतिक तनाव कम करने पर चर्चा होगी। शुक्रवार को दोनों पक्षों के बीच पहली बैठक हुई थी, लेकिन किसी तरह की सहमति नहीं बन पाई। पाक संसद स्पीकर अयाज सादिक के चैंबर में दोपहर 2 बजे होने वाली बैठक में सरकार, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) और पीटीआई के प्रतिनिधि शामिल होंगे। पीटीआई ने मांग रखी है कि इमरान खान से तुरंत मुलाकात करने दी जाए। उन्हें ऐसे अस्पताल ले जाया जाए, जहां उनके निजी डॉक्टर उनकी जांच कर सकें। पार्टी ने इमरान की बहन और प्रदर्शन से पहले गिरफ्तार किए गए अन्य लोगों को रिहा करने की मांग भी की है। इसके अलावा, इमरान की पत्नी बुशरा बीबी के मेडिकल जांच कराने और उनके खिलाफ चल रहे मामलों की बिना किसी दखल



पीटीआई ने पहले 27 सितंबर को इस्लामाबाद तक लॉन्ग मार्च निकालने की घोषणा की थी। बाद में इसे एक हफ्ते टालकर 4 अक्टूबर कर दिया गया। जुल्फिकार बुखारी के मुताबिक, मार्च खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवात में गांधी चौक से शुरू

होगा। इसका पहला पड़ाव करक और दूसरा 5 अक्टूबर को कोहाट में होगा। इसके बाद मार्च पेशावर

समाधान पर बात हुई:-सरकार और पीटीआई के बीच शुक्रवार को हुई पहली बैठक में देश के राजनीतिक हालात और मतभेद दूर करने पर चर्चा हुई। तीनों पक्षों ने बातचीत से समस्याओं का हल निकालने पर जोर दिया। बैठक में सरकार की ओर से प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह के नेतृत्व में 6 सदस्यीय टीम शामिल हुई। इसमें गृह मंत्री मोहसिन नकवी भी थे। पीटीआई की ओर से पार्टी अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान और पूर्व स्पीकर असद कैसर समेत कई नेता पहुंचे। वहीं, पीपीपी की ओर से सैयद नदीम कमर, शेरी रहमान और एजाज जखरानी शामिल हुए। स्पीकर बोले- संसद में ही मुद्दों का समाधान संभव-नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक दोनों पक्षों के बीच बातचीत करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। देश के मुद्दों और मतभेदों को सुलझाने के लिए संसद ही सही मंच है।



ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उद्धव-राज ठाकरे का मुंबई में प्रदर्शन,कहा- ये बीजेपी का हथियार हैं, इस्तीफा चाहिए,सीईसी के खिलाफ 3 दिन में तीन प्रदर्शन

मुंबई। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रविवार को मुंबई में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने जाँड़ प्रदर्शन

2 करोड़ मतदाता कौन हैं? हमारी किसी से व्यक्तिगत नाराजगी नहीं है: हमारा विरोध इस बात को लेकर है कि आप सरकार कैसे



किया। प्रदर्शन में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों नेताओं ने मेट्रो स्टेशन से शुरू होकर महानगरपालिका भवन तक मार्च निकाला। उद्धव की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की मनसे पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की है। राज ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में हुए एसआईआर को रद्द किया जाए। सरकार किसकी बनेगी, ये फैसला जनता को तय करना है, चुनाव आयोग को नहीं। वहीं उद्धव बोले कि ज्ञानेश कुमार बीजेपी का हथियार हैं। राज ठाकरे बोले- एसआईआर प्रक्रिया रद्द हो, हमारा किसी से व्यक्तिगत विरोध नहीं:-महाराष्ट्र में एसआईआर प्रक्रिया रद्द की जाए: हमारी मांग है कि महाराष्ट्र में की गई पूरी एसआईआर प्रक्रिया रद्द की



जाए। कानून के मुताबिक, एसआईआर किसी आपात स्थिति में की जाती है। विधानसभा चुनाव के दौरान 40 से 60 लाख मतदाताओं के नाम जोड़े गए और इसके जरिए सत्ता हासिल करी गई। अब एसआईआर के जरिए 2 करोड़ लोगों को हटाया जा रहा है। ये

स्मित बोले- हमलावर ने नमाज के बहाने कुल्हाड़ी मारी,नेतन्याहू ने पायलट को फोन किया,पीएम के साथ मशाल जलाने का दिया न्योता

तेल अवीव। मैंने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन मैं कुछ देख नहीं पा रहा था। सब कुछ धुंधला दिखाई दे रहा था। मुझे महसूस हुआ कि विमान तेजी से नीचे जा रहा है। मुझे ठीक से याद नहीं लेकिन मैंने एक बार दरवाजा खोलने की कोशिश की थी। उसने उसे बंद कर दिया। मैं कॉकपिट के फर्श पर पड़ा था और मुझे विमान के नीचे जाने और धक्के जैसी आवाजें सुनाई दे रही थीं। लोग चिल्ला रहे थे। नेतन्याहू: आपने कॉकपिट का दरवाजा कैसे खोला? क्या आपने वह पिन खींचा था, जिससे दरवाजा खुलता है? कैप्टन स्मित: दरवाजा अंदर से घुमाकर खोला जा सकता है, जबकि बाहर से इसे केवल कोड के जरिए खोला जा सकता है। दरवाजा खोलने का एकमात्र तरीका उसके नॉब तक पहुंचना था। जैसे ही मेरा हाथ नॉब तक पहुंचा, मैंने उसे घुमाया और दरवाजा खुल गया। इजराइल में स्वतंत्रता दिवस पर 12 मशालें जलाने की परंपरा:- इजराइल का स्वतंत्रता दिवस योम हा'अजमाउत कहलाता है। यह हिब्रू कैलेंडर के 5 इयार को मनाया जाता है। इसलिए ग्रेगोरियन कैलेंडर में इसकी तारीख हर साल बदलती रहती है। 2027 में स्वतंत्रता दिवस 12 मई को होगा। इसका समारोह 11 मई की शाम से शुरू होगा। इसी दौरान यरुशलम के माउंट हर्जल पर मशाल जलाने का खास समारोह आयोजित किया जाता है। यह समारोह योम हजिकारोन यानी सैनिकों और आतंकवादियों हमलों में मारे गए लोगों के स्मृति दिवस के खतम होने और स्वतंत्रता दिवस की



कार्यकर्ता, वैज्ञानिक, सैनिक, कलाकार और शहीद सैनिकों के परिवारों से जुड़े लोग शामिल हो सकते हैं। समारोह में पहले इजराइली झंडे को नीचे झुकाकर उपर उठाया जाता है। यह शोक खतम होने और खुशी व स्वतंत्रता की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। पीएम मोदी ने वीडियो कॉल पर कैप्टन स्मित से बात की:-इससे पहले पीएम मोदी ने 2 सितंबर को कैप्टन स्मित से करीब 9 मिनट वीडियो कॉल पर बात की। बातचीत के दौरान स्मित ने कहा- मैं मुश्किल समय में हनुमान चालीसा पढ़ता हूँ और उस समय भी पढ़ रहा था। मुझे पता है कि भगवान ने ही हमें बचाया। को-पायलट ने इमरजेंसी के लिए रखे कुल्हाड़ी को हथियार बनाया:-यूएई सरकार ने शनिवार

विमान में इमरजेंसी के लिए एक खास कुल्हाड़ी रखी जाती है, जिसे 'क्रैश एक्स' कहते हैं। इसका इस्तेमाल आग लगने पर किसी पैनल को काटकर अंदर तक पहुंचने, फंसे लोगों को बाहर निकालने का रास्ता बनाने या जरूरत पड़ने पर विमान के किसी हिस्से को काटने या खोलने के लिए किया जाता है। ओमान का रहने वाला है आरोपी, अल-कायदा की विचारधारा से प्रभावित:-हमाम अल-हमामी ओमान का रहने वाला है। अल अरबिया इंग्लिश के मुताबिक, वह लंबे समय तक सीरिया में रहा था, जहां उसके कट्टरपंथी विचारों से प्रभावित होने की बात सामने आई। इजराइल के चैनल 12 की रिपोर्ट में उसके अल-कायदा की विचारधारा से

प्रभावित होने का दावा किया गया है। 2024 में उसे ओमान की नेशनल एयरलाइन में पायलट ट्रेनिंग से हटा दिया गया था। फॉक्स न्यूज के मुताबिक, एक सूत्र ने दावा किया कि वह कट्टरपंथी इस्लामिक वेबसाइट्स देखता था। बाद में उसे एयरलाइन में दूसरी जिम्मेदारी दी गई। वह पहले रॉयल एयर मैरौक के साथ भी काम कर चुका था और करीब 8 महीने पहले फ्लाईड्यूबई से जुड़ा था। दावा- विमान को इजराइल में क़ैश करने का इरादा था:-आई24 न्यूज ने जांच से जुड़े सूत्रों के हवाले से दावा किया कि पूछताछ में हमामी ने विमान को इजराइल में क़ैश करने का इरादा बताया। उसके सामान से 'फ्री फिलिस्तीन' समूहों के पर्चे और दूसरी फिलिस्तीन समर्थक सामग्री मिलने का भी दावा किया गया है। जांच

एजेंसियां इन दावों को उसके संभावित आतंकी मकसद की जांच के हिस्से के तौर पर देख रही हैं। तेल अवीव की फ्लाइट में झूठी कैंसे मिली, इसकी जांच ओमान और इजराइल के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं। ऐसे में यह भी जांच का हिस्सा है कि हमामी को तेल अवीव जाने वाली फ्लाईड्यूबई की फ्लाइट में को-पायलट की झूठी कैंसे मिली। सीएनएन के मुताबिक, इजराइल की शिन बेट, मोसाद, सेना और ट्रांसपोर्टेशन मिनिस्ट्री समेत कई एजेंसियां इस पहलू की जांच कर रही हैं। हमल के बाद हमामी को सऊदी अरब से यूएई भेज दिया गया, जहां उसके खिलाफ आतंकवाद से जुड़े मामलों की जांच चल रही है।

अमेरिका ने ईरान के दो राजनयिकों को निकाला,आदेश मिलने के बाद भी न्यूयॉर्क में रुके रहे, यूएन महासभा में शामिल होने पहुंचे थे

वॉशिंगटन डीसी। उनका दर्जा और अमेरिकी सरकार की

आदेश दे सकता है। यूएन में ईरानी डेलिगेशन को स्टारलिक



अनुमति यह तय करती है कि वे कितने समय तक वहां रह सकते हैं। महासभा खत्म होने के बाद भी अमेरिका में रुकने के लिए बंध अनुमति जरूरी है। बैठक में शामिल होने की अनुमति का मतलब यह नहीं कि प्रतिनिधि अपनी मर्जी से वहां रुक सकते हैं। नियमों के उल्लंघन पर अमेरिका उन्हें देश छोड़ने का

देने पहुंचे थे इजराइली अधिकारी:-यूएन महासभा में इजराइली प्रधानमंत्री बैजामिन नेतन्याहू ने ईरानी डेलिगेशन को स्टारलिक डिवाइस देने की पेशकश की थी। उन्होंने कहा था कि इससे ईरान के लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर अपनी बात दुनिया तक पहुंचा सकेंगे। नेतन्याहू के भाषण के बाद एक

दिल्ली पुलिस पर 3 महिला पत्रकारों से बदसलूकी का आरोप,मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी, दावा- सीने पर हाथ मारा

नयी दिल्ली। दिल्ली में जंतर-मंतर पर 3 महिला पत्रकारों ने दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी पर बदसलूकी का आरोप लगाया है। दिल्ली पुलिस ने जांच के लिए केस क्राइम ब्रांच को सौंप दिया है। क्राइम ब्रांच अब महिला पत्रकारों के बयान दर्ज करेगी और पूरे मामले की जांच करेगी। एक महिला पत्रकार ने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों को पकड़ने के दौरान वहां कोई महिला पुलिसकर्मी नहीं थी। महिला का दावा है कि आइसा की अध्यक्ष नेहा बोरा को हिरासत में लेने के दौरान एसीपी विवेक भगत ने उसके सीने पर हाथ मारा और धक्का देकर वहां से भाग गया। रात करीब 11 बजे कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने महिला पत्रकार का वीडियो शेयर किया। वीडियो में महिला कहती है कि वह साढ़े 3 घंटे से वहां बैठी हैं, लेकिन अब तक एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही है। एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर सैकड़ों पत्रकार पार्लियामेंट्री स्ट्रीट थाने के बाहर रहने पर बैठ गए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स पर गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा। उन्होंने कहा- पूरी दिल्ली की महिलाएं, छात्राएं अपनी सुरक्षा को लेकर घबराहत में हैं, सत्याग्रह कर रही हैं। दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन है। अमित शाह की जवाब देना चाहिए। सीजेपी बोली- पुलिस

ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार किया:-वहीं सीजेपी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि दिल्ली पुलिस ने यौन उत्पीड़न के मामले में एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया है। पुलिस का कहना है कि एफआईआर दर्ज

से रोकने के लिए पुलिस और पैरामिलिट्री बलों ने बैरिकेड लगाए थे और अतिरिक्त जवान तैनात किए थे। शुक्रवार को करीब 1,000 लोग हिरासत में लिए गए थे-इससे पहले 2 सितंबर को जंतर-मंतर और आसपास हुए प्रदर्शन के दौरान करीब 1,000 लोगों को हिरासत में लिया गया था। बाद में इनमें से कई लोगों को छोड़ दिया गया। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार के प्रदर्शन को लेकर कम से कम 3 एफआईआर दर्ज कीं। इन्हें 2 पार्लियामेंट स्ट्रीट और 1 कर्नाट प्लेस थाने में दर्ज हुई। मामलों में आदेश की अवहेलना, सरकारी काम में बाधा और सरकारी कर्मचारी को झूठी से रोकने के लिए हमला या अपराधिक बल के इस्तेमाल से जुड़ी धाराएं लगाई गई हैं। प्रदर्शन से पहले नई दिल्ली जिले में बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू थी। बिना लिखित अनुमति 5 या उससे ज्यादा लोगों के जुटने, जुलूस, प्रदर्शन और धरने पर रोक थी। एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग पर सवाल- दिल्ली में यह प्रदर्शन चुनाव आयोग को लेकर इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट सामने आने के बाद हो रहा है। रिपोर्ट में बताया गया था कि चुनाव आयोग सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में एसआईआर से जुड़े फैसलों और आदेशों पर रिकॉर्ड में से कम 14 बार आपत्ति जताई थी।

रहे हैं, वे अपनी कहानी भेजें। मैं नेता विपक्ष के रूप में संसद से लेकर सड़क तक आपके साथ खड़ा हूँ। राहुल ने एक्स पर लिखा- देशभर में लोग अपने हक के लिए लड़ रहे हैं और अक्सर अकेले लड़ रहे हैं। जैन-जी, छात्र, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं। हर संघर्ष की अपनी कहानी है। पर जो आवाज अकेली उठती है, वो अक्सर दब जाती है।' राहुल ने लिखा- सत्याग्रह इन्हीं आवाजों को एक साथ लाने की पहल है। बापू ने यही सिखाया था - सच सबसे बड़ा हथियार है। पर उससे भी बड़ा हथियार है, एकता में सच के साथ खड़े होना। अगर आप भी किसी अन्याय से लड़ रहे हैं - अपनी कहानी भेजिए। दो मिनट लगेंगे। राहुल के इस कैपेन का नाम महात्मा गांधी के 'सत्याग्रह' से जुड़ा है। आजादी की लड़ाई के दौरान गांधीजी ने भी यही तरीका अपनाया था। गांधी हेरिटेज पोर्टल के मुताबिक, उस समय लोगों ने गांधीजी को जमीन, संपत्ति, जेल और अन्याय से जुड़े मामलों की जानकारी भेजी थी। गांधीजी को भेजे गए 8,500 से ज्यादा लेटर आज भी मौजूद हैं। हालांकि, वास्तविक संख्या ज्यादा हो सकती है। विपक्ष 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग का घेराव करेगा:- मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और वोटर लिस्ट के एसआईआर के विरोध में विपक्षी दल,

प्रदर्शन किया। वे 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर जुटेंगे। वहीं, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस समेत विपक्षी दलों के सांसद 6 अक्टूबर को चुनाव आयोग का घेराव करेंगे। ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग का विवाद समझें-दरअसल, द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, दो चुनाव आयुक्तों विवेक जोशी और सुखबीर सिंह संधू ने फॉर्म 6 में बदलाव और एसआईआर से जुड़े फैसलों को लेकर 10 महीने में 14 बार आपत्ति जताई थी। इस रिपोर्ट के आने के बाद सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और पुरानी वोटर लिस्ट पर चुनाव कराने की मांग शुरू हो गई। दोनों आयुक्तों ने 4 बड़े सवाल उठाए-फॉर्म-6 में बदलाव: नए वोटरों से पिछली एसआईआर लिस्ट में खुद या परिवार के नाम की जानकारी मांगने पर दोनों ने सवाल उठाया। संधू ने इसे गैरकानूनी बताते हुए हटाने की मांग की। वोटर डेटा का कंट्रोल: दोनों ने सवाल किया कि वोटर डेटाबेस का कंट्रोल दिल्ली में क्यों बढ़ रहा है और राज्यों की पहुंच क्यों सीमित हो रही है। बंगाल में 16 लाख अपीलें: संधू ने पूछा कि हटाए गए नामों को लेकर करीब 16 लाख अपीलें किसने और किसकी मंजूरी से दायर कीं। गोवा के 97 वोटरों: जांच में योग्य पाए गए 97 वोटरों को सॉफ्टवेयर की समस्या के कारण अंतिम लिस्ट में नहीं जोड़ा जा सका।

पाक एजेंट के हनीट्रैप में फंसा नेवी जवान,खुफिया जानकारी लीक करने के आरोप, कोयंबटूर से गिरफ्तार कोयंबटूर। आंध्र प्रदेश पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) सेल ने इंडियन नेवी के जवान प्रदीप मुखर्जी को कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तानी महिला खुफिया एजेंट को डिफेंस की सेंसिटिव जानकारी देने का आरोप है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंट ने जवान के हनीट्रैप में फंसाया था। प्रदीप कोयंबटूर के रेड फील्ड्स स्थित इंडियन नेवल शिप (आईएनएस) अग्रणी में मैनेजमेंट डेवलपमेंट कोर्स कर रहे थे। कुछ महीने पहले महिला एजेंट ने सोशल मीडिया के जरिए प्रदीप से संपर्क किया था। उसने धीरे-धीरे उनसे दोस्ती बढ़ाई और विशाखापट्टनम नेवल बेस से जुड़ी जानकारी ली। काउंटर इंटेलिजेंस की स्पेशल टीम शनिवार सुबह आईएनएस अग्रणी पहुंची और प्रदीप को हिरासत में ले लिया। स्थानीय पुलिस अधिकारियों को भी उनकी गिरफ्तारी की जानकारी दी गई। इसके बाद जांचकर्ताओं ने प्रदीप को स्थानीय मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया और ट्रॉजिट वारंट हासिल किया। शाम को उसे आगे की पूछताछ के लिए विजयवाड़ा स्थित काउंटर इंटेलिजेंस मुख्यालय ले जाया गया। जांच एजेंसियां अब यह पता लगा रही हैं कि कितनी और किस तरह की रक्षा जानकारी लीक हुई है। यह भी जांच की जा रही है कि प्रदीप को जानकारी साझा करने के बदले हवाला या डिजिटल पैमेंट के जरिए कोई पैसा दिया गया था या नहीं।

नुसरत भरुचा की होगी सर्जरी, अनु अग्रवाल हादसे के बाद 29 दिन कोमा में थीं, महिमा चौधरी के चेहरे से निकाले गए थे कांच के टुकड़े

मुंबई। एक्ट्रेस नुसरत भरुचा हाल ही में बाली में एक हादसे का शिकार हो गई। वह काम और



छुट्टियां से जुड़े दौर पर बाली गई थीं। हादसे के बाद उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ है। जिसके बाद आगे की सर्जरी के लिए उन्हें मुंबई लाने का फैसला किया गया। इसके लिए एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की गई। 2 अक्टूबर 2026 को वह एयर एंबुलेंस से मुंबई पहुंचीं। गौरतलब है कि इससे पहले भी कई एक्ट्रेस हादसों में घायल हो चुकी हैं। हादसे के बाद एक्ट्रेस अनु अग्रवाल की याददाश्त चली गई थी। तो वहीं महिमा चौधरी के चेहरे से 67 कांच के टुकड़े निकाले गए थे। अनु अग्रवाल का गंभीर कार एक्सीडेंट हुआ था-1990 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'आशिकी' से रातो-रात मशहूर हुई अभिनेत्री अनु अग्रवाल के साथ साल 1999 में दर्दनाक हादसा हुआ था। मुंबई में एक लेट-नाइट पार्टी से लौटते समय अनु अग्रवाल की कार का गंभीर एक्सीडेंट हुआ था। इस हादसे में

उनके शरीर में कई जगह फ्रैक्चर हुए, उनका चेहरा बुरी तरह प्रभावित हुआ और सिर व दिमाग में अंदरूनी चोटें आईं। दुर्घटना के बाद वह 29 दिनों तक कोमा में रहीं। होश में आने के बाद उनका आधा शरीर पैरालिसिस (लकवा) का शिकार हो चुका था और याददाश्त चले जाने के कारण वह अपनी पुरानी जिंदगी और पहचान तक भूल चुकी थीं। दैनिक भास्कर के साथ बातचीत में एक्सीडेंट पर अनु अग्रवाल ने बताया था- 'मेरा सीधा हाथ पूरा पैरालाइज्ड था, मैं खुद खाना भी नहीं खा पाती थी।



एक्सीडेंट के 7 साल बाद तक ये हुआ। मेरे कई एक्सीडेंट हुए थे। मेरा उल्टा हाथ, पेंसिव था। राइट हैंड काम करता था। जब सीधा हाथ पैरालाइज्ड हुआ, तो मैं चेक भी साइन नहीं कर पाती थी। मेरे कई चेक बाउंस हो गए। खाना उल्टे हाथ से कैसे खाना है, चम्मच इधर-

उधर जाता। सुबह नाइट सूट का नाड़ा खोलने के लिए आपको दो हाथ चाहिए, एक हाथ से नाड़ा नहीं खुलता था। किस तरह मैं टूथब्रश पकड़ती। पेट्टे बार-बार फिसलता। एक हाथ से ये सब करती थी।' हालांकि, अनु अग्रवाल ने हार नहीं मानी और योग, ध्यान तथा आत्मबल के सहारे न सिर्फ दोबारा चलना सीखा, बल्कि अपनी याददाश्त भी वापस पाई। महिमा चौधरी का कार एक्सीडेंट हुआ था- फिल्म 'परदेस' से बॉलीवुड में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस महिमा चौधरी का 1999 में बंगलुरु में गंभीर कार एक्सीडेंट हुआ था। उस वक्त वह अजय देवगन और काजोल की फिल्म 'दिल क्या करे' की शूटिंग कर रही थीं। स्टूडियो जाते समय उनकी कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। हादसा इतना गंभीर था कि कार का कांच टूटकर महिमा के चेहरे में जा धंसा। महिमा ने साल 2020 में रिकविली को दिए इंटरव्यू में बताया था कि मुझे लगा कि मैं मर रही हूँ। मैं अस्पताल पहुंची, लेकिन उस समय किसी ने मुझे उठाया तक नहीं और अस्पताल नहीं ले गया। अस्पताल पहुंचने के काफी देर बाद मेरी मां आई और अजय देवगन भी वहां पहुंचे। जब वे किसी से बात करने गए, तब मैं उठी और मैंने शीशे में अपना चेहरा देखा। मुझे लगा कि वे इतना हंगामा क्यों कर रहे हैं। मैंने कहा, चलो। कुछ नहीं हुआ, मैं ठीक हूँ। उन्होंने कहा, 'नहीं, आराम करो। हम



शीशे के 67 टुकड़े निकाले, तब मुझे उस हादसे की गंभीरता का एहसास हुआ। मैं आज भी इस बारे में बात करते हुए रो पड़ती हूँ, क्योंकि यह सिर्फ मेरे करियर के बारे में नहीं था। यह जिंदगी में किसी भी चीज को लेकर आपके नजरिए को बदल देने वाला अनुभव था। मुझे स्टैपल जैसे टांकों के साथ रहना पड़ा और बिना धूप के घर के अंदर रहना पड़ा। मेरे घर की खिचकियों को काला कर दिया गया था। मैंने खुद को शीशे की सर्जरी की गई थी। हादसे के बाद इस बात को लेकर विवाद भी हुआ था कि दुर्घटना के बाद घायलों को कितनी जल्दी चिकित्सा सहायता मिली। मृत बच्ची के परिवार की ओर से आरोप लगाया गया था कि बच्ची कुछ समय तक घटनास्थल पर ही पड़ी रही। दूसरी ओर, हेमा मालिनी को एक स्थानीय डॉक्टर अपनी गाड़ी से अस्पताल ले गए थे।

मैं 'हां' बोलूं तो पति 'ना' बोलते हैं, बच्चा इस बात का फायदा उठाता है, क्या पेरेंटिंग में मतभेद बच्चे के लिए बुरा है

जयपुर। घर को सही रूप में आगे बढ़ाने में पति पत्नी दोनों का योगदान होता है दोनों गाड़ी के दो पहिये हैं जिनमें तालमेल होना चाहिए इसी विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फॅमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 36 साल की एक वकिंग महिला हूँ। हमारा 9 साल का बेटा है। समस्या यह है कि मैं और मेरे पति उसकी परवरिश को लेकर बिल्कुल अलग सोच

लेकिन 'अच्छा' क्या है, इसकी परिभाषा हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है। कोई अनुशासन को प्राथमिकता देता है, तो कोई कम्युनिकेशन और आजादी को। इसलिए पेरेंटिंग को लेकर पति-पत्नी के बीच मतभेद होना कोई नई अजुबा बात नहीं है। लेकिन जब ये मतभेद रोजमर्रा के फैसलों में दिखाई देने लगे और बच्चा यह समझ जाए कि 'मम्मी से नहीं तो पापा से 'हां' मिल जाएगी,' तब यह बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

उसकी बात बनने की संभावना सबसे ज्यादा हो। ऐसे में अगर पेरेंटिंग को लेकर माता-पिता के विचार एक न हों और ये बात बच्चे की समझ में आ जाए तो इसके ये मनोवैज्ञानिक प्रभाव हो सकते हैं-पेरेंटिंग में मतभेद का बच्चे पर असर- बच्चे का कनफ्यूज होना। पेरेंट्स के बीच तनाव होना। पेरेंट्सविराई पैदा होना। उसका जिम्मेदार न होना। स्वभाव से जिद्दी हो जाना। हमेशा अपनी बात मनवाना। बड़ों की रिस्पेक्ट न करना। क्या

अलग सोच होना गलत है? बिल्कुल नहीं। हर बात पर माता-पिता की राय एक होना जरूरी नहीं है। समस्या तब होती है, जब बच्चे के सामने एक ही स्थिति पर दो अलग-अलग नियम या प्रतिक्रियाएं दी जाती हैं। इसे इन दो उदाहरणों से समझिए- 1. बच्चा मोबाइल चलाता चाहता है। आपसे परमिशन मांग रहा है। मां कहती है, 'आज आधा घंटा मोबाइल चला सकता है।' पिता कहते हैं, 'नहीं, बिल्कुल नहीं चला सकते।' 2. बच्चा पॉपकॉट मनी मांग रहा है। मां कहती है, 'पहले ये बताओ कि पैसे 'वॉश' लिए चाहिए। तुम्हारी सारी जरूरतें तो हम पूरी कर रहे हैं।' पापा कहते हैं, 'लेकिन बच्चे के सामने तय नियमों पर एक जैसी प्रतिक्रिया होनी चाहिए। इससे बच्चे को पता रहता है कि किस व्यवहार पर क्या अपेक्षा और क्या परिणाम होगा। बच्चे से जुड़े 8 नियम मम्मी-पापा मिलकर तय करें- स्क्रीन टाइम, पढ़ाई का समय। सोने उठने का समय। बाहर खेलने की सीमा। मोबाइल कब मिलेगा। जब खर्च कितना होगा। गलती की सजा क्या होगी। इनका कब मिलेगा। 2. नियम बदलना हो तो मिलकर बदलें-अगर किसी नियम में बदलाव जरूरी लगे तो बाद में आपसे में चर्चा करें। फिर दोनों मिलकर बच्चे को नया नियम बताएं। इससे बच्चे को स्पष्ट संदेश मिलेगा। 3. बच्चे के सामने एक-दूसरे का फैसला न काटें-

अगर पति ने किसी बात के लिए मना किया है और लगता है कि फैसला सही नहीं है, तो बच्चे के सामने उस तुरंत न बदलें। बच्चे से कहें- 'हम दोनों पर बात करेंगे और फिर तुम्हें बताएंगे।' इससे बच्चे को संदेश अलग-अलग राय देखा हो। माता-पिता एक टीम की तरह फैसले लेते हैं। 4. सख्ती और प्यार में संतुलन रखें- कई माता-पिता मानते हैं कि सख्ती से ही बच्चा जिम्मेदार बनता है, जबकि कुछ का मानना है कि सिर्फ प्यार और समझाइश ही काफी है। लेकिन चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट के अनुसार सबसे प्रभावी तरीका अथॉरिटेटिव पेरेंटिंग है, जिसमें स्नेह और अनुशासन दोनों का संतुलन होता है। इसमें स्नेह और अनुशासन दोनों का संतुलन होता है। इसमें प्यार भी होता है। स्पष्ट नियम भी होते हैं। बच्चे की बात भी सुनी जाती है। गलती पर उचित परिणाम भी तय होते हैं। यानी न जरूरत से ज्यादा सख्ती, न पूरी छुट। बैलेंस्ड पेरेंटिंग कैसी होती है? प्यार- बच्चे की बात सुनना, बैलेंस्ड पेरेंटिंग, भावनाओं को समझना।अनुशासन- स्पष्ट नियम, तय परिणाम, सम्मानजनक व्यवहार।कंसिस्टेंसी-माता-पिता से एक मैसेज, नियम बार-बार न बदलना। 5. 'एक सख्त, एक नरम' वाला पैटर्न न बनाएं- कई परिवारों में माता-पिता में से एक हमेशा डांटता है और दूसरा हमेशा बचाता है। इससे बच्चा दोनों की भूमिकाएं तय कर लेता है। ये तरीका सही नहीं है। इसकी बजाय दोनों पेरेंट बच्चे को भरपूर प्यार दें। जरूरत पर दोनों सख्ती करें, दोनों नियम लागू करें। 6. बच्चे को निर्णय प्रक्रिया में शामिल करें- 9 साल का बच्चा कुछ नियम समझ सकता है और उस पर अपनी राय दे सकता है। इसलिए उससे पूछें कि- इस नियम के बारे में तुम्हारी क्या राय है? तुम बताओ कि इसे तोड़ने की क्या सजा होगी। बच्चा नियम बनाते में शामिल होता है, तो उनके पालन की संभावना भी बढ़ जाती है। एक्सपर्ट हेलप कब जरूरी? इन स्थितियों में माता-पिता के लिए फॅमिली काउंसलर या चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट से सलाह लेना मददगार हो सकता है। पेरेंटिंग से जुड़े फैसलों पर बार-बार टकराव हो रहा हो। बच्चा लगातार बातें छिपाने या झूठ बोलने लगा हो। स्कूल में व्यवहार से जुड़ी शिकायतें मिलने लगी हों।बच्चा माता-पिता के मतभेदों का फायदा उठाते लगा हो। घर का तनाव बच्चों पर असर डालने लगा हो। याद रखें- बच्चे को ऐसे माता-पिता चाहिए, जो एक टीम की तरह काम करें। दोनों के व्यक्तित्व और सोच अलग हो सकते हैं, लेकिन बच्चे की परवरिश से जुड़े फैसलों में तालमेल जरूरी है। जब घर के नियम स्पष्ट, स्थिर और सम्मानजनक होते हैं, तो बच्चा भी धीरे-धीरे जिम्मेदार बनता है। यही स्वस्थ पेरेंटिंग की सबसे मजबूत नींव है।

सफेद कपड़े जल्दी रंग छोड़ पीले पड़ जाते हैं, खोई चमक लौटाने के 5 टिप्स, धोते हुए बरतें 11 सावधानियां, न करें 6 गलतियां

नॉएडा। सफेद कपड़ों की चमक अलग ही दिखती है। लेकिन इस्तेमाल के कुछ ही महीनों में ये पीले या मटमैले नजर आने लगते

तो धोने से पहले कुछ देर भिगोना फायदेमंद हो सकता है। हालांकि के बीच 2-3 इंच की दूरी रखें। इससे कपड़े जल्दी सूखते हैं। धूप



हैं। बहुत से लोग इसे कपड़े के पुराने होने का असर मानते हैं। जबकि कई बार गलत तरीके से कपड़े धोने, ज्यादा क्लीच यूज करने या कपड़ों की सही केयर न करने से भी वो पुराने पड़ जाते हैं। 'अमेरिकन क्लीनिकल इंस्टीट्यूट' के मुताबिक, कपड़े रंग, फैब्रिक और केयर लेबल के अनुसार धोने चाहिए। साथ ही सही वॉश साइकिल चुनना भी जरूरी है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज सफेद कपड़ों की चमक लौटाने के आसान तरीकों पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- कपड़े कपड़े पीले क्यों पड़ते हैं? सफेद कपड़ों की केयर कैसे करनी चाहिए? सवाल- सफेद कपड़े समय के साथ पीले क्यों पड़ जाते हैं? जवाब- इसके कई कारण हैं- पसीना और सीबम, पसीना और शरीर से निकलने वाला सीबम रेशों में जम जाते हैं। इससे कपड़े पर पीले दाग पड़ने लगते हैं। डिटर्जेंट का अवशेष-डिटर्जेंट पूरी तरह नहीं धुलता। उसका अवशेष कपड़ों की सफेदी कम कर देता है। हाई वाटर-पानी में मौजूद कैल्शियम, मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स रेशों में जमा हो जाते हैं। इससे कपड़े मटमैले दिखने लगते हैं। धूप और ऑक्सीडेशन-तेज धूप रेशों का रंग बदल देती है। कपड़े धीरे-धीरे पीले पड़ने लगते हैं। लंबे समय तक स्टोर करना-बंद अलमारी और नमी भी पीलापन बढ़ाती है। लंबे समय तक रखे कपड़े पीले पड़ सकते हैं। क्लीच और गर्म आयरन का इस्तेमाल- ज्यादा क्लीच और तेज गर्मी रेशों को नुकसान पहुंचाती है। इससे कपड़ों की सफेदी घटने लगती है। बार-बार धुलाई- लगातार धुलाई से रेशे घिसने लगते हैं। इससे कपड़ों की सफेदी फीकी पड़ जाती है। सवाल- सफेद कपड़ों की चमक वापस कैसे लाएं? जवाब- इसके कई तरीके हैं। पॉइंटर्स से समझिए- ऑक्सीजन-बेस्ड व्हाइटनर से कपड़े धोएं। यह मटमैलापन कम करता है। ऑप्टिकल ब्राइटनर वाला डिटर्जेंट चुनें। इससे कपड़े चमकदार दिखते हैं। जिद्दी पीलापन हो तो दोबारा धोएं। एक बार की धुलाई में हमेशा पूरी सफेदी नहीं लौटती। पुराने पीले कपड़ों को प्रोफेशनल लॉन्डी में दें। वहां व्हाइटनिंग ट्रीटमेंट दिया जाता है। ध्यान रखें, अगर कपड़े के रेशे घिस चुके हैं तो पुरानी चमक लौटाना संभव नहीं है। सवाल- सफेद शर्ट, कुर्ते से अंडरआर्म के पीले दाग कैसे हटाएं? जवाब- इसके लिए कुछ तरीके अपनाएं- दाग वाली जगह पर लिक्विड डिटर्जेंट लगाएं। 15-20 मिनट छोड़कर हल्के हाथ से रगड़ें। ऑक्सीजन-बेस्ड स्टेन रिमूवर इस्तेमाल करें। यह सफेद कपड़ों के लिए सुरक्षित माना जाता है। केयर लेबल के अनुसार पानी चुनें। जितना टेम्परेचर वैलिड हो, उसी में कपड़े धोएं। पुराने दाग एक बार में पूरी तरह नहीं निकलते। इसलिए जरूरी हो तो दोबारा धोएं। दाग रहने पर आयरन न करें। गर्मी दाग को रेशों में स्थायी बना सकती है। सवाल- सफेद कपड़े धोने का सही तरीका क्या है? जवाब- सफेद कपड़ों की चमक कम कर सकती हैं। इन बातों का ध्यान रखें- सफेद कपड़े हमेशा अलग धोएं। धोने से पहले केयर लेबल पढ़ें। जेबें खाली करके मशीन में डालें। बटन और जिप बंद करके- धोएं। कपड़ों को उल्टा करके धोएं। दाग वाला हिस्सा पहले साफ करें। नाजूक कपड़े लॉन्डी बैग में रखें। हैंवो कपड़े- हाई टेंपरेचर पर धोएं। सॉफ्ट कपड़े ठंडे पानी से धोएं। बहुत ज्यादा डिटर्जेंट न डालें। धोने के बाद धूप में जरूर सखाएं। सवाल- सफेद कपड़े सुखाने का सही तरीका क्या है? जवाब- पॉइंटर्स से देखिए- शर्ट और कुर्ते हेंगर पर सुखाएं। इससे सिलवर्ट कम पड़ती है। कॉलर, कफ और

15-20 मिनट भिगोना काफी है। ज्यादा गंदे कपड़ों के लिए 30 मिनट तक भिगो सकते हैं। सवाल- कपड़े गर्म पानी में भिगोएं या सामान्य पानी में? जवाब- यह कपड़े के फैब्रिक और केयर लेबल पर निर्भर करता है। हर सफेद कपड़े के लिए गर्म पानी सही नहीं होता। सूती कपड़े को हल्के गुनगुने पानी में भिगो सकते हैं। सिंथेटिक और नाजूक फैब्रिक वाले कपड़े को सामान्य या ठंडे पानी में भिगोना चाहिए। गर्म पानी से कपड़ा सिकुड़ सकता है और रेशे कमजोर हो सकते हैं। हमेशा केयर लेबल देखें। उसी के अनुसार पानी का तापमान चुनें। सवाल- सफेद कपड़ों की चमक लौटाने के घरेलू देसी तरीके क्या हैं? जवाब- अगर सफेद कपड़े हल्के पीले या मटमैले हैं तो कुछ आसान घरेलू उपाय उनकी सफेदी और चमक लौटाने में मदद कर सकते हैं। पीले पड़े कपड़ों की सफेदी कैसे लौटाएं? सवाल- सफेद कपड़े के लिए लिक्विड डिटर्जेंट बेहतर है या पाउडर? जवाब- दोनों डिटर्जेंट सफाई करते हैं। सवाल- सफेद कपड़ों की चमक वापस कैसे लाएं? जवाब- इसके कई तरीके हैं। पॉइंटर्स से समझिए- ऑक्सीजन-बेस्ड व्हाइटनर से कपड़े धोएं। यह मटमैलापन कम करता है। ऑप्टिकल ब्राइटनर वाला डिटर्जेंट चुनें। इससे कपड़े चमकदार दिखते हैं। जिद्दी पीलापन हो तो दोबारा धोएं। एक बार की धुलाई में हमेशा पूरी सफेदी नहीं लौटती। पुराने पीले कपड़ों को प्रोफेशनल लॉन्डी में दें। वहां व्हाइटनिंग ट्रीटमेंट दिया जाता है। ध्यान रखें, अगर कपड़े के रेशे घिस चुके हैं तो पुरानी चमक लौटाना संभव नहीं है। सवाल- सफेद शर्ट, कुर्ते से अंडरआर्म के पीले दाग कैसे हटाएं? जवाब- इसके लिए कुछ तरीके अपनाएं- दाग वाली जगह पर लिक्विड डिटर्जेंट लगाएं। 15-20 मिनट छोड़कर हल्के हाथ से रगड़ें। ऑक्सीजन-बेस्ड स्टेन रिमूवर इस्तेमाल करें। यह सफेद कपड़ों के लिए सुरक्षित माना जाता है। केयर लेबल के अनुसार पानी चुनें। जितना टेम्परेचर वैलिड हो, उसी में कपड़े धोएं। पुराने दाग एक बार में पूरी तरह नहीं निकलते। इसलिए जरूरी हो तो दोबारा धोएं। दाग रहने पर आयरन न करें। गर्मी दाग को रेशों में स्थायी बना सकती है। सवाल- सफेद कपड़े धोने का सही तरीका क्या है? जवाब- सफेद कपड़ों की चमक कम कर सकती हैं। इन बातों का ध्यान रखें- सफेद कपड़े हमेशा अलग धोएं। धोने से पहले केयर लेबल पढ़ें। जेबें खाली करके मशीन में डालें। बटन और जिप बंद करके- धोएं। कपड़ों को उल्टा करके धोएं। दाग वाला हिस्सा पहले साफ करें। नाजूक कपड़े लॉन्डी बैग में रखें। हैंवो कपड़े- हाई टेंपरेचर पर धोएं। सॉफ्ट कपड़े ठंडे पानी से धोएं। बहुत ज्यादा डिटर्जेंट न डालें। धोने के बाद धूप में जरूर सखाएं। सवाल- सफेद कपड़े सुखाने का सही तरीका क्या है? जवाब- पॉइंटर्स से देखिए- शर्ट और कुर्ते हेंगर पर सुखाएं। इससे सिलवर्ट कम पड़ती है। कॉलर, कफ और

में उल्टा करके सुखाएं। इससे कपड़े की बाहरी सतह लंबे समय तक अच्छी बनी रहती है। पूरी तरह सुखने के बाद ही अलमारी में रखें। सवाल- क्या धूप में ज्यादा देर छोड़ने से कपड़ों में चमक आती है? जवाब- नहीं, ज्यादा देर तक धूप में रखने से सफेदी नहीं बढ़ती, बल्कि कपड़े को नुकसान हो सकता है। इससे रेशे कमजोर पड़ सकते हैं। कपड़े की चमक भी फीकी हो जाती है। सवाल- सफेद कपड़े धोने के बाद कैसे स्टोर करें? जवाब- पॉइंटर्स से देखिए- सफेद कपड़ों को रंगीन कपड़ों से अलग रखें। लंबे समय तक प्लास्टिक बैग में स्टोर न करें। कपड़ों को हवा मिलनी चाहिए। अलमारी में नमी न जमा होने दें। जरूरत हो तो सिलिका जेल या नमी सोखने वाला पैक रखें। लंबे समय तक रखे कपड़ों को बीच-बीच में निकालकर हवा लगाएं। एसिड- फ्री टिश्यू पेपर में लपेटकर रखें। इससे लंबे समय तक रखे सफेद कपड़ों में पीलापन आने का रिस्क कम होता है। सवाल- सफेद कपड़े धोते हुए क्या गलतियां नहीं करनी चाहिए? जवाब- सफेद कपड़ों को साफ करने में लोग अक्सर ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो सफेदी बढ़ाने की बजाय कपड़ों को नुकसान पहुंचा देती



रखते हैं। मैं चाहती हूँ कि वह अपनी गलतियों से सीखे, इसलिए उसे समझाकर बात करती हूँ। वहीं मेरे पति मानते हैं कि बच्चों को टफ बनाना चाहिए, अनुशासन सिखाना चाहिए। कई बार मैं किसी बात के लिए उसे 'हां' बोल देती हूँ, लेकिन पति उसी बात के लिए मना कर देते हैं। बेटा अब समझ गया है कि किस चीज के लिए किसके पास जाना है। अगर मैं मना करती हूँ तो वह पापा से पूछ लेता है। मुझे लगता है कि वह इस स्थिति का फायदा उठाते लगा है। क्या माता-पिता की अलग-अलग पेरेंटिंग स्टाइल बच्चे के व्यवहार और व्यक्तित्व पर असर डाल सकती है? हम क्या करना चाहिए? जवाब- हर माता-पिता अपने बच्चे के लिए अच्छा ही चाहते हैं,

बच्चे के लिए घर के नियम और बड़ों का व्यवहार हमेशा एक जैसा होना चाहिए। जब माता-पिता अलग-अलग बातें बोलते हैं तो बच्चा कनफ्यूज होता है। इसलिए जरूरी है कि घर के नियमों और पेरेंटिंग के फैसलों पर पेरेंट्स एकमत हों। पेरेंटिंग में मतभेद का बच्चे पर असर- 9 साल की उम्र तक बच्चे में यह समझ विकसित हो जाती है कि किस व्यक्ति से क्या रिसॉन्स मिलेगा। वह यह भी सीख जाता है कि किससे कौन-सी बात मनवाई जा सकती है। इसे कई बार लोग 'चालाकी' समझते हैं, जबकि चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट के अनुसार यह अक्सर बच्चे का सीखा हुआ व्यवहार (लर्नड बिहेवियर) होता है। बच्चा वही तरीका अपनाता है, जिससे

तुरंत पर्स में से निकालकर 100 रुपए पकड़ा देते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चा यह नहीं सीख पाता कि घर का नियम क्या है। चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट के अनुसार, बच्चे नियमों की सख्ती से ज्यादा उनका ही कंसिस्टेंसी यानी एकरूपता को समझते हैं। जब हर बार एक जैसा नियम लागू होते हैं, तो बच्चों में सही-गलत की साफ समझ विकसित होती है। बच्चा 'पेरेंट शॉपिंग' क्यों करता है? कई बार बच्चा सिर्फ यह सीख रहा होता है कि उसकी जरूरत या मांग किस रास्ते से पूरी हो सकती है। इसलिए अगर एक व्यक्ति उसे मना करता है, तो वह स्वाभाविक रूप से दूसरे से पूछ सकता है। चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट में इसे 'पेरेंट शॉपिंग' कहते हैं। यह व्यवहार

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कट्टा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा. पुनीत अरोरा
मो.नं.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksaachar.com
नोट- इस समाचार पत्र में प्रकाशित सभ्यत समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु 10/04/2007 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न सम्पत्ति विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।